राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण शनिवार 30 सितम्बर 2023 वर्ष–6,अंक–249 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मुख्यमंत्री केजरीवाला के आवास रिनोवेशन में बेफिजूल खर्च नहीं बल्कि भ्रष्टाचार भी हुआ–भाजपा

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी ने दिल्ली के मुख्यमंत्री के सरकारी आवास के रिनोवेशन में सीबीआई द्वारा अनियमितता और गड़बड़ी की जांच शुरू किए जाने का स्वागत किया है। पार्टी का कहना है कि रिनोवेशन में बेफिजूल ही नहीं बल्कि भ्रष्टाचार भी हुआ है। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के खिलाफ सीबीआई ने मुख्यमंत्री आवास के रिनोवेशन मामले में प्राथमिक जांच शुरू कर दी है। भाजपा मुख्यमंत्री आवास के रेनोवेशन में हुए घोटाले की सीबीआई जांच को जरूरी बताया। भाजपा मुख्यालय में पत्रकार वार्ता में सांसद मनोज तिवारी ने कहा कि आज दिल्ली स्तब्ध है। सरकारों और राजनीति में रूचि रखने वाला हर तबका दिल्ली में अरविंद केजरीवाल द्वारा किए गए अपराध और भ्रष्टाचार पर स्तब्ध है। सीबीआई जांच शुरू हुई है अब आम आदमी पार्टी का बचना मुश्किल है।

उन्होंने कहा कि भारतीय राजनीति के इतिहास में अगर किसी पार्टी ने सबसे कम समय में लूट और भ्रष्टाचार का कीर्तिमान स्थापित किया है, तो वह पार्टी अरविंद केजरीवाल की आम आदमी पार्टी है। जहां तक दिल्ली के राजमहल के भ्रष्टाचार का मामला है, तो दिल्ली का हर व्यक्ति ये मानता है कि इसमें टॉयलेट और पर्दे ही करोड़ों रुपये के लगे हैं। प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने आम आदमी पार्टी पर हमला बोलते हुए कहा कि रेनोवेशन आप नेताओं की मानसिकता का हुआ है। यह बेफजूल खर्च का मामला नहीं है बल्कि भ्रष्टाचार का भी मामला है। सारे नियमों को ताक पर रख कर अरविंद केजरीवाल ने अपने घर का रेनोवेशन किया। सीबीआई की जांच जरुरी थी इसलिए आज दिल्ली की जनता की जीत हुई है।

महाराष्ट्र में 15 दिनों के अंदर चमत्कार का दावा, शरद पवार आएंगे भाजपा के साथ, अजित बनेंगे सीएम

महाराष्ट्र के विधायक रवि राणा ने दावा किया है कि महाराष्ट्र की राजनीति में अगले 15 दिनों में चमत्कार होगा। शरद पवार भाजपा के साथ आ सकते हैं और इसकी वजह से अजित पवार सूबे के सीएम बन सकते हैं।

मुंबई। महाराष्ट्र में अगले 15 से 20 दिनों में एक बड़ा चमत्कार होगा। विधायक निर्दलीय रवि राणा ने यह सनसनीखेज दावा किया है। उन्होंने कहा कि शरद पवार भाजपा के साथ आ सकते हैं और फिर अजित पवार को मुख्यमंत्री का पद मिल सकता है। उन्होंने कहा कि यह जरूरी है कि शरद पवार देश के विकास के लिए पीएम मोदी का समर्थन करें। रवि राणा ने कहा कि इसके लिए मैंने हर उस जगह पर गणेश जी से प्रार्थना की, जहां मैं गया था। उन्होंने कहा कि शरद पवार के आने पर हम राज्य से लेकर केंद्र तक मजबूत सरकार देखेंगे। निर्दलीय विधायक रवि राणा को डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस का करीबी माना जाता है। उनकी पत्नी नवनीत रवि राणा अमरावती लोकसभा सीट से सांसद हैं। रवि राणा ने कहा कि मैं

पिछले कुछ दिनों में कई गणेश पूजा पांडालों में गया। इस दौरान मैंने भगवान से प्रार्थना की कि शरद पवार देश के विकास के लिए नरेंद्र मोदी का समर्थन कर दें। उन्होंने कहा कि यह चमत्कार 15 से 20 दिन में हो जाएगा। इसके साथ ही वह यह दावा भी कर गए कि शरद पवार के साथ आने पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री अजित पवार हो सकते हैं।

उन्होंने कहा कि राजनीति में तो कुछ भी संभव है। देवेंद्र फडणवीस सीएम हुआ करते थे और वह डिप्टी सीएम बन गए। अजित पवार नेता विपक्ष थे और वह उपमुख्यमंत्री बन गए हैं। एकनाथ शिंदे शहरी विकास मंत्री थे, लेकिन अब मुख्यमंत्री बन गए हैं। इसलिए यह कोई बड़ी बात नहीं है कि अजित पवार मुख्यमंत्री बन जाएं। यदि अगले 15 दिनों में शरद पवार साथ आते हैं तो फिर अजित पवार मुख्यमंत्री बन सकते हैं। गौरतलब है कि रवि राणा और उनकी सांसद पत्नी नवनीत की उद्धव ठाकरे सरकार के दौरान गिरफ्तारी हो गई थी। नवनीत रवि राणा ने उद्धव के घर के बाहर हनुमान चालीसा पढ़ने का ऐलान किया था, जिसके बाद उन्हें अरेस्ट कर लिया गया था।

मोदी ने महिला और पुरुष निशानेबाजी टीम को दी बधाई

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को एशियाई खेलों में निशानेबाजी स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन करने वाली महिला और पुरुष टीम को बधाई दी है। श्री मोदी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स लिखा, ÷एक शानदार जीत, प्रतिष्ठित स्वर्ण और एक विश्व रिकॉर्ड। एशियाई खेलों में पुरुषों की 50 मीटर राइफल 3पी टीम स्पर्धा में विजयी होने के लिए कुसाले स्वप्निल, ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर और अखिल श्योरेन को बधाई। उन्होंने असाधारण दृढ़ संकल्प और टीम वर्क दिखाया है। एक अन्य एक्स में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, एशियाई खेलों में निशानेबाजी में एक और पदक। 10 मीटर एयर पिस्टल महिला टीम स्पर्धा में रजत पदक जीतने पर दिव्या थडिगोल, ईशा सिंह और पलक को बधाई। उनके भविष्य के प्रयासों के लिए उन्हें शुभकामनाएं। उनकी सफलता कई आगामी खिलाड़ियों को प्रेरित करेगी। उल्लेखनीय है कि चीन में चल रहे 19वें एशियाई खेलों में भारतीय निशानेबाजों में आज शानदार प्रदर्शन करते हुए टीम स्पर्धा में दो स्वर्ण और दो रजत पदक जीते है।

राजस्थान में कांग्रेस शासन के दौरान संविधान की अनदेखी हुई: चन्द्रशेखर

अलवर। आजाद समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्रशेखर आजाद ने कहा कि प्रदेश में कांग्रेस शासन के दौरान राज्य में संविधान की अनदेखी हुई है और बेरोजगारों को रोजगार नहीं दिया गया। चन्द्रशेखर ने कल रात्रि यहां पत्रकारों से बातचीत करते हुये कहा कि जो मुख्यमंत्री कागज की सुरक्षा नहीं कर सकता वह राज्य की सुरक्षा क्या करेगा। श्री चन्द्रशेखर ने कहा कि उनके द्वारा देश भर में दलितों पर बढ़ रहे अत्याचार के विरुद्ध यह संविधान बचाओ देश बचाओ संकल्प यात्रा निकाली जा रही है । उन्होंने कहा कि यह पूरे देश में यात्रा निकाली जा रही है। विधान सभा में उम्मीदवार उतारने के सवाल पर उन्होंने कहा कि राज्य में सभी सीटों पर पार्टी के प्रत्याशी उतारे जाएंगे जो कार्यकर्ता जनता को जागरूक करेंगे और जनता के प्रति उत्तरदायित्व रहेंगे। उनको टिकट दिया जाएगा । उन्होंने कहा कि एक मुख्यमंत्री को जनता के सवालों का जवाब देना चाहिए।

दो अप्रैल की घटनाओं में दर्ज किए गए मुकदमों के सवाल पर उन्होंने कहा कि राजस्थान की कांग्रेस ने वर्ष 2018 के विधानसभा चुनाव में, 2019 के लोकसभा चुनाव में और पंचायत चुनाव के दौरान यह

कहा गया कि मुकदमे वापस लिए जाएंगे लेकिन मुकदमे वापस नहीं लिए। हमें केंद्र सरकार से उम्मीद नहीं है लेकिन राज्य सरकार से उम्मीद थी लेकिन उन्होंने मुकदमे वापस नहीं लिए। इस सरकार ने बेरोजगारों को लूटने का काम किया है। केंद्र ने तो हमें जख्म देने का काम किया है । उन्होंने कहा कि संकल्प यात्रा के बाद केंद्र सरकार के विरुद्ध इस आरक्षण के विरोध में आंदोलन किया जाएगा क्योंकि इस आरक्षण व्यवस्था में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अल्पसंख्यक महिलाओं के लिए कोई प्रावधान नहीं है।

सीआरपीएफ महानिदेशक ने कश्मीर का 'ऑपरेशनल' दौरा किया

श्रीनगर। केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के महानिदेशक सुजॉय लाल थाओसेन ने परिचालन तैयारियों का आकलन करने और क्षेत्र में तैनात कर्मियों का मनोबल बढ़ाने के लिए कश्मीर का दौरा किया।

सीआरपीएफ के प्रवक्ता ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सीआरपीएफ महानिदेशक का दक्षिणी कश्मीर में अनंतनाग जिले के एक वन क्षेत्र में आतंकवादी मुठभेड़ के लगभग दो सप्ताह बाद का यह दौरा है, जिसमें सेना के दो अधिकारी, एक पुलिस उपाधीक्षक और एक जवान शहीद हो गए। एक सप्ताह तक चले ऑपरेशन में अधिकारियों की हत्या के पीछे शामिल लश्कर-ए-तैयबा के एक शीर्ष कमांडर सहित दो आतंकवादी भी मारे गये थे।

उन्होंने बताया कि महानिदेशक ने श्रीनगर में रिक्रूट ट्रेनिंग सेंटर (आरटीसी) और दक्षिण कश्मीर में सीआरपीएफ बटालियन का दौरा किया। उनके साथ जम्मू-कश्मीर जोन सीआरपीएफ के अतिरिक्त महानिदेशक नलिन प्रभात, कश्मीर अभियान क्षेत्र के सीआरपीएफ के महानिरीक्षक ज्ञानेंद्र कुमार वर्मा और श्रीनगर

क्षेत्रीय सीआरपीएफ के महानिरीक्षक अजय यादव उपस्थित थे। प्रवक्ता के मुताबिक उच्च पदस्थ अधिकारियों के साथ इस दौरे का उद्देश्य, परिचालन तत्परता का आकलन करना और क्षेत्र में तैनात सीआरपीएफ कर्मियों का मनोबल बढ़ाना है। महानिदेशक ने आरटीसी के प्रशिक्षुओं के साथ बातचीत की तथा प्रशिक्षण और परिचालन तैयारियों में उत्कृष्टता के लिए सीआरपीएफ की प्रतिबद्धता की पुष्टि की। इसके बाद वह त्राल पुलवामा में 180 बटालियन के लिए रवाना हुए, जहां सीआरपीएफ कर्मियों द्वारा उन्हें 'गार्ड ऑफ ऑनर' दिया गया।उन्होंने 'शहीद मुकेश लाल मीना बैरक' का भी उद्घाटन किया, जो कर्तव्य की पंक्ति में सर्वोच्च बलिदान देने वाले बहादुर नायकों को एक प्रकार से श्रद्धांजलि है।

भाटी ने फिर भाजपा का दामन थामा

जयपुर। राजस्थान में पूर्व मंत्री देवी सिंह भाटी सहित कुछ नेता भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गए। भाजपा प्रदेश कार्यालय पर गुरुवार रात प्रदेश के वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में भाजपा का दामन थामा। श्री भाटी ने भाजपा में वापसी की है। उनके पिछले कई दिनों से फिर से भाजपा में आने की चर्चा भी चल रही थी। इन नेताओं ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकास कार्यों, जनकल्याणकारी नीतियों पर विश्वास जताते हुए बिना किसी शर्त के भाजपा में शामिल हुए।

इस दौरान प्रदेशाध्यक्ष सी पी जोशी, राष्ट्रीय महासचिव एंव प्रदेश प्रभारी अरूण सिंह, प्रदेश चुनाव प्रभारी एवं केन्द्रीय मंत्री प्रहलाद जोशी, नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र सिंह राठौड़ ने श्री भाटी, शिक्षाविद् श्रवण चौधरी, बांदीकुई से भाजपा के पूर्व प्रत्याशी भागचंद सैनी और गेटवैल हॉस्पिटल सीकर के बीएल रणवां को माला और भाजपा का दुपट्टा पहनाकर भाजपा की सदस्यता ग्रहण कराई। इस अवसर पर श्री अरूण सिंह ने कहा कि राजस्थान में भाजपा परिवार में सदस्यता ग्रहण करने को लेकर बहुत उत्साह और उत्सुकता है। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस सरकार के कुशासन से आज

प्रदेश का हर वर्ग परेशान है और भाजपा का परिवार बढ़ रहा है। लोगों की भाजपा के प्रति आस्था और विश्वास बढ़ा है। प्रहलाद जोशी ने कहा कि पार्टी में शामिल होने वाले सभी सदस्यों ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व पर विश्वास कर ही पार्टी में शामिल हुए है।

दिल्ली में 11 साल तक के पानी के बिल होंगे माफ ? केजरीवाल सरकार ला रही नई योजना

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार पानी के बिलों के लिए लाने जा रही एकमुश्त भुगतान योजना में उन उपभोक्ताओं को भी लाभ देगी, जिन्होंने 11 साल से बिल नहीं भरा है। इसके तहत जुलाई 2012 से बिल जमा नहीं करने वाले दो लाख से अधिक उपभोक्ताओं को लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने जनवरी 2023 में पानी के बकाया बिलों और उसमें गड़बड़ी को लेकर एकमुश्त भुगतान योजना की घोषणा की थी। इसका मकसद पुराने बकाया बिलों का एकमुश्त राशि लेकर सेटल करना था। इसके साथ ही समय पर बिल जमा करने के लिए लोगों को प्रोत्साहित करना था। सरकार के इस फैसले से करीब 11.71 लाख उपभोक्ताओं को लाभ मिलेगा, जिन पर एरियर मिलाकर पानी के बिलों का कुल 5737 करोड़ रुपये बकाया है।

एक बार योजना का लाभ देंगे- दिल्ली

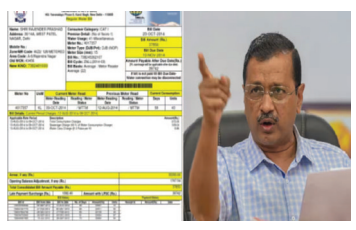

सरकार के जल मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा कि पानी के बिलों में बड़े स्तर पर गड़बड़ियां हैं। जल बोर्ड के कुल 42 जोन हैं। बीते आठ माह में कुल 8000 बिलों की गड़बड़ियों को ठीक किया है। बाकी बिलों में जिस तरह की शिकायतें हैं, उसे दूर करने में 100 वर्ष लग जाएंगे, इसलिए एक बार सभी बिल बकायेदारों को इस योजना का लाभ मिलना चाहिए।

समय पर बिल जमा करवाना सुनिश्चित किया जाएगा- सौरभ भारद्वाज ने कहा कि आगे से बिलों में गड़बड़ी न हो, वह समय पर बिल जमा करें, यह भी सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने प्रस्ताव में बदलाव करते हुए कहा कि 11 साल से पानी का बिल जमा नहीं करने वाले लोगों को भी इसका लाभ मिलेगा।

घोषणा के बाद राजस्व घटा- दिल्ली सरकार की एकमुश्त भुगतान योजना की घोषणा को लेकर बैठक में मौजूद जल बोर्ड अधिकारी ने सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि हमें इस तरह की योजना की घोषणा तब तक नहीं करनी चाहिए, जब तक वह मंजूर नहीं हो जाए।

उन्होंने पानी के बिल के जरिए जुटे राजस्व का आंकड़े पेश करते हुए कहा कि इसकी घोषणा के बाद लोगों ने बिल जमा करना कम कर दिया है। राजस्व घटता जा रहा है। उन्होंने कहा कि घोषणा से पहले अक्टूबर 2022 (आधे महीने में) जहां 13 करोड़ रुपये, नवंबर 2022 में 53 करोड़ रुपये और दिसंबर 2022 में 202 करोड़ रुपये का राजस्व मिला। वहीं,घोषणा के बाद जनवरी 2023 में पानी के बिल का कलेक्शन 31 करोड़, फरवरी 2023 में 18 करोड़ और मार्च 2023 में 44 करोड़ रुपये हुआ।

जल बोर्ड के अधिकारियों ने विरोध जताया था

अधिकारियों ने कहा कि जल बोर्ड में पहले से ही राजस्व कम आ रहा है। एकमुश्त भुगतान योजना को लेकर हुई पिछली बैठक में जल बोर्ड अधिकारियों ने कहा कि ऐसे उपभोक्ताओं को लाभ नहीं देना चाहिए, जिन्होंने जुलाई 2012 से बिल नहीं भरा है। बैठक के मिनट्स ऑफ मीटिंग के मुताबिक, अधिकारी ने कहा कि ये वो लोग हैं जिन्होंने जानबूझकर बिल जमा नहीं किया है। ऐसे में इन्हें लाभ नहीं मिलना चाहिए। इस प्रस्ताव को जल मंत्री ने खारिज कर दिया।

मुंबई में 83 हजार छोटी–बड़ी गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन हर्षोल्लास के साथ हुआ

मुंबई। मुंबई सहित समूचे महाराष्ट्र में शुक्रवार सुबह तक धूमधाम से भगवान गणेश की विदाई की गई। मुंबई के मशहूर लालबाग के राजा की प्रतिमा का विसर्जन आज सुबह 9 बजकर 10 मिनट पर पूरे भक्तिभाव के साथ किया गया। भक्तों ने गणपति बप्पा मोरया, अगले बरस तू जल्दी आ....जैसे जयकारों के साथ अपने प्रिय गणेश को विदाई दी। इसके साथ ही मुंबई में 83 हजार छोटी बड़ी गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन हर्षोल्लास के साथ संपन्न हो गया। पुणे शहर में भक्तगण पूरे जोश के साथ बाजे-गाजे सहित भगवान गणेश को विदाई दे रहे हैं।

मुंबई में गणेश विसर्जन गुरुवार को सुबह से ही शुरू हो गया था। लालबाग के राजा गणपति को गुरुवार सुबह करीब 10 बजे मंडप से विसर्जन स्थल की ओर रवाना किया गया था, लेकिन चंद किलोमीटर का सफर लालबाग के राजा ने 23 घंटे में तय किया। जगह-जगह लालबाग के राजा का स्वागत किया गया। मानो समूची मुंबई भगवान गणेश की मंद-मंद रफ्तार के साथ नाचते गाते कदमताल कर रही थी। शुक्रवार सुबह 8 बजे जब लालबाग के राजा गिरगांव चौपाटी पहुंचे, तो लाखों लोगों ने हाथ उठाकर बप्पा के दर्शन किए। सुबह 9 बजकर 15 मिनट पर लालबाग के राजा समुद्र के जल में समा गए।

मुंबई में वरली, गिरगांव चौपाटी, जुहू

भक्तों ने गणपति बप्पा मोरया, अगले बरस तू जल्दी आ....जैसे जयकारों के साथ अपने प्रिय गणेश को विदाई दी। इसके साथ ही मुंबई में 83 हजार छोटी बड़ी गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन हर्षोल्लास के साथ संपन्न हो गया। पुणे शहर में भक्तगण पूरे जोश के साथ बाजे–गाजे सहित भगवान गणेश को विदाई दे रहे हैं।

चौपाटी, मार्वे चौपाटी सहित सभी जगह घाटों पर गणेश भक्तों का उत्साह देखने को मिल रहा था। सभी गणेशभक्त ढोल ताशे के ताल पर नाचते थिरकते भगवान गणेश के साथ विसर्जन स्थल की ओर बढ़ रहे थे। इससे पूरा मुंबई महानगर जैसे गणेश मय हो गया था। मुंबई में तकरीबन 20 हजार पुलिस कर्मी शहर के चप्पे-चप्पे पर तैनात किए गए थे, जिससे कहीं भी अप्रिय घटना नहीं घट सकी। मुंबई के साथ ही नासिक, पुणे, कोल्हापुर छत्रपति संभाजीनगर आदि जिलों में भी पूरे हर्ष और उल्हास के साथ भगवान गणेश को विदा किया गया और अगले साल जल्द आने की प्रार्थना भक्तों ने की।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

विदा स्वामीनाथन

भारत ने अपनी हरित क्रांति का अग्रदूत खो दिया। भारत सदा-सर्वदा यह याद करेगा कि कैसे प्रसिद्ध वैज्ञानिक एमएस स्वामीनाथन ने देश में अनाज उत्पादन को बढ़ाने के लिए हरित क्रांति का नेतृत्व किया था। चेन्नई में 98 वर्ष की आयु उनका निधन भारतीय कृषि व खाद्य सुरक्षा के एक स्वर्णिम अध्याय के समापन की तरह है। यह कितना सुखद है कि देश के करोड़ों लोगों के लिए भोजन जुटाने में सहायक रहे वैज्ञानिक को लंबा जीवन नसीब हुआ और उनकी पुत्री व डब्ल्यूएचओ में पूर्व मुख्य वैज्ञानिक डॉक्टर सौम्या स्वामीनाथन ने देश को बहुत गर्व के साथ बताया कि स्वामीनाथन बहुत शांति से दुनिया से विदा हुए हैं। किसानों के कल्याण और समाज के सबसे गरीब लोगों के उत्थान के लिए प्रतिबद्ध स्वामीनाथन की जितनी प्रशंसा की जाए कम होगी। उन्होंने कृषि उत्पादन बढ़ाने के लिए अपने जीवन का एक लंबा समय लगा दिया था और हरित क्रांति की राह में आई बाधाओं को बहुत चतुराई से दूर किया था। इन कृषि महावीर वैज्ञानिक का यह देश सदैव ऋणी रहेगा। आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में उनका अनुपम योगदान हमारे इतिहास का एक उज्ज्वलतम वाक्य है। उनके प्रति शोक संवेदनाओं का तांता स्वाभाविक है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी श्रद्धांजलि में उचित ही कहा है कि कृषि में उनके अभूतपूर्व कार्य ने लाखों लोगों के जीवन को बदल दिया और देश के लिए खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित की। स्वामीनाथन को विश्व स्तर पर अनेक सम्मान हासिल हुए। एक वक्त था, जब दुनिया को लगा था कि भारत अपने लोगों का पेट नहीं भर पाएगा। अंग्रेज तो भारतीय कृषि व्यवस्था को खोखला कर गए थे। भारत न खाने योग्य आयातित अनाज पर निर्भर हो गया था, पर स्वामीनाथन के नेतृत्व में वैज्ञानिकों ने 1960 के दशक के दौरान भारत में उच्च उपज वाली गेहूं और चावल की किस्मों पर सफलतापूर्वक काम करके कमाल कर दिया। हरित क्रांति की सफलता ने बहुत कम समय में देश को अनाज के मामले में आत्मनिर्भर बना दिया, अकाल से मुक्ति मिली, गरीब किसानों को भी लाभप्रद कृषि का तरीका आ गया। अनेक गांवों में खुशहाली आ गई। ऐसे महान बदलावों के लिए स्वामीनाथन को स्वाभाविक ही भारत में हरित क्रांति का जनक कहा जाता है। स्वामीनाथन सच्चे भारतीय थे। विश्व युद्ध के समय जब बंगाल में भयानक अकाल पड़ा था। केरल विश्वविद्यालय के इस 18 वर्षीय छात्र को इस खबर ने हिलाकर रख दिया था कि लाखों बंगाली भाई अनाज के अभाव में दम तोड़ रहे हैं। उन दिनों देश राजनीतिक आजादी के लिए लड़ रहा था। तब युवा स्वामीनाथन ने तय किया कि वह देश को भूख से आजादी दिलाने के लिए लड़ेंगे। अनाज की पैदावार बढ़ाने के लिए काम करेंगे। उनका सपना था कि भारत जैसे देश में अनाज इतनी ज्यादा मात्रा में पैदा हो कि यहां किसी को भूखे न सोना पड़े। वह अमेरिका चले गए, वहां एक बेमिसाल पादप आनुवंशिकीविद् के रूप में खुद को तैयार किया। विदेश में रहते हुए भी उन्होंने आलू की एक ठंड-प्रतिरोधी किस्म विकसित की थी। देश सेवा के लिए लौटे, तो चावल और गेहूं पर ध्यान दिया। तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को भी प्रेरित किया। समय रहते सरकार को बात समझ में आई और अपने देश के अनाज भंडार भरने लगे। आज अगर हमारे देश के प्रधानमंत्री यह बोलने की स्थिति में हैं कि भारत दुनिया को खिला सकता है, तो निस्संदेह, इसका सर्वाधिक श्रेय स्वामीनाथन को जाता है।

आज का राशिफल

मेष शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। किसी रिश्तेदार के आगमन से मन प्रसन्न होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक कष्टों का सामना करना पड़ेगा।

वृषभ पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। खान-पान में संतुलन बना कर रखें। मकान, सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा।

मिथुन दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। आय के नये स्त्रोत बनेंगे। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी अपेक्षित है।

कर्क पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन की दिशा में सफलता मिलेगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। धन लाभ होगा।

सिंह रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कन्या पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा।

तुला आर्थिक योजना सफल होगी। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किसी रिश्तेदार से तनाव मिल सकता है। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

वृश्चिक पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। रोजी रोजगार की दिशा में प्रगति होगी। अधीनस्थ कर्मचारी का सहयोग रहेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

धनु जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। फिजूलखर्ची से बचें अन्यथा कर्ज की स्थिति आ सकती है। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। धन हानि की संभावना है।

मकर दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

कुम्भ गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। खान पान में संयम रखें। स्वास्थ्य शिथिल रहेगा। आमोद प्रमोद के साधनों में वृद्धि होगी।

मीन पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। नेत्र विकार की संभावना है। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

पूर्वजों को याद कर उन्हें नमन करने का पर्व है श्राद्ध

– डॉ. श्रीगोपाल नारसन (एडवोकेट)

प्रतिवर्ष भाद्रपद पूर्णिमा से पितृपक्ष प्रारंभ हो जाता है, जो आश्विन अमावस्या तक अर्थात 16 दिनों तक चलता है। इस साल पितृ पक्ष की शुरुआत 29 सितंबर से हो रही है और श्राद्ध पक्ष का समापन 14 अक्टूबर को होगा। श्राद्ध पक्ष की अवधि में पूर्वजों के निमित्त पिंडदान, तर्पण और श्राद्ध कर्म किए जाते हैं। ऐसा करने से पितरों की आत्मा को शांति मिलती है, जिससे पूर्वज प्रसन्न होते हैं। कहा जाता है कि पितरों के प्रसन्न होने से वंशजों का भी कल्याण होता है। जो लोग पूरे श्राद्धपक्ष में अपने पूर्वजों का तर्पण, पिंडदान न कर पाए हों वह सर्वपितृ अमावस्या के दिन पितरों के निमित्त श्राद्ध कर सकते हैं। इस दिन बिहार के गयाजी में पिंडदान करने का सबसे ज्यादा महत्व है। इस साल आश्विन माह की सर्वपितृ अमावस्या के दिन साल का दूसरा और आखिरी सूर्यग्रहण भी लग रहा है। सर्वपितृ अमावस्या पर सूर्य ग्रहण रात 08.34 मिनट से अगले दिन प्रात: 02.25 मिनट तक रहेगा। यह वलयाकार सूर्य ग्रहण होगा, जो भारत में दिखाई नहीं देगा, इसलिए इसका सूतक काल भी नहीं रहेगा।

सर्वपितृ श्राद्ध का महत्व

सर्वपितृ अमावस्या को महालया अमावस्या और पितृ विसर्जनी अमावस्या भी कहते हैं। पितृ पक्ष में पूर्वज धरती पर अपने परिवार के बीच आते हैं और उन्हें आशीर्वाद देते हैं, ऐसी धार्मिक मान्यता है। सर्वपितृ अमावस्या पर पितरों को सम्मानपूर्वक श्राद्ध, पिंडदान और पूजा करते हुए विदाई दी जाती है। कहते हैं सर्वपित्र अमावस्या तिथि पर किया गया श्राद्ध, परिवार के सभी पूर्वजों की आत्माओं को प्रसन्न करने के लिये पर्याप्त है। सर्वपितृ अमावस्या पर परिवार के उन मृतक सदस्यों का श्राद्ध किया जाता है जिनकी मृत्यु अमावस्या तिथि, पूर्णिमा तिथि तथा चतुर्दशी तिथि को हुई हो। अगर किसी कारणवश मृत्यु तिथि पर श्राद्ध करने में सक्षम न हों, तो वो मात्र अमावस्या तिथि पर श्राद्ध कर सकता है। जिन पूर्वजों की पुण्यतिथि ज्ञात नहीं है, उनका श्राद्ध भी अमावस्या तिथि पर किया जा सकता है, इसीलिये अमावस्या श्राद्ध को सर्वपितृ मोक्ष अमावस्या के नाम से भी जाना जाता है।

श्राद्ध पक्ष के दिनों में- ।ऊँ नमो भगवते वासुदेवाय।। -मन्त्र का वाचन करना चाहिए। जिस दिन श्राद्ध हो उस दिन श्राद्ध की शुरुआत और समापन में- ।देवताभ्य: पितृभ्यश्च महायोगिभ्यन एव च। नम: स्वाहायै स्व धायै नित्ययमेव भवन्युव त।। -मंत्र का वाचन करें।

पितृ दो प्रकार के होते हैं। एक दिव्य पितर और दूसरे पूर्वज पितर। दिव्य पितर ब्रह्मा के पुत्र मनु से उत्पन्न हुए ऋषि हैं। पितरों में सबसे प्रमुख अर्यमा हैं, जिनके बारे में गीता में श्रीकृष्ण ने कहा है कि पितरों में प्रधान अर्यमा वे स्वयं हैं।

दूसरे प्रकार के पितृ पूर्वज होते हैं। पितृपक्ष में अपने इन्हीं पितरों को लोग याद करते हैं और इनके नाम से पिंडदान, श्राद्ध और ब्राह्मण भोजन करवाते हैं। कठोपनिषद्, गरुड़ पुराण, मार्कण्डेय पुराण के अनुसार पितृ अपने परिजनों के पास पितृ पक्ष श्राद्ध के समय आते हैं और अन्न जल एवं आदर की अपेक्षा करते हैं। जिन परिवार के लोग पितृ पक्ष के दौरान पितरों के नाम से अन्न जल दान नहीं करते, श्राद्ध कर्म नहीं करते हैं, उनके पितर भूखे-प्यासे धरती से लौट जाते हैं। इससे परिवार के लोगों को पितृ दोष लगता है। इसे पितृ शाप भी कहते हैं। इससे संतान प्राप्ति में बाधा आती है। परिवार में रोग और कष्ट बढ़ जाता है।

कैसे करें श्राद्ध?

पितृ पक्ष में जिन तिथियों में पूर्वज यानी पिता, दादा, परिवार के लोगों की मृत्यु हुई होती है उस तिथि को उनका श्राद्ध किया जाता है। श्राद्ध का नियम है कि दिन के समय पितरों के नाम से श्राद्ध और ब्राह्मण भोजन करवाना चाहिए। देवताओं की पूजा सुबह में और पितरों की दोपहर में होती है। तर्पण विधि - सर्वप्रथम अपने पास शुद्ध जल, बैठने का आसन (कुशा का हो), बड़ी थाली या ताम्रण (तांबे की प्लेट), कच्चा दूध, गुलाब के फूल, फूल-माला, कुशा, सुपारी, जौ, काली तिल, जनेऊ आदि पास में रखे। फिर आसन पर बैठकर तीन बार आचमन करें।

ॐ केशवाय नम:, ॐ माधवाय नम:, ॐ गोविन्दाय नम: मंत्र बोलें।

आचमन के बाद हाथ धोकर अपने ऊपर जल छिड़के अर्थात् पवित्र होवें, फिर गायत्री मंत्र से शिखा बांधकर तिलक लगाकर कुशे की पवित्री (अंगूठी बनाकर) अनामिका अंगुली में पहन कर हाथ में जल, सुपारी, सिक्का, फूल लेकर निम्न संकल्प लें।

अपना नाम एवं गोत्र उच्चारण करें फिर बोले अथ् श्रुतिस्मृतिपुराणोक्तफलप्राप्त्यर्थ देवर्षिमनुष्यपितृतर्पणम करिष्ये।।

फिर थाली या ताम्र पात्र में जल, कच्चा दूध, गुलाब की पंखुड़ी डालें, हाथ में चावल लेकर देवता एवं ऋषियों का आह्वान करें। स्वयं पूर्व मुख करके बैठें, जनेऊ को रखें। कुशा के अग्रभाग को पूर्व की ओर रखें, देवतीर्थ से अर्थात् दाएं हाथ की अंगुलियों के अग्रभाग से तर्पण दें, इसी प्रकार ऋषियों को तर्पण दें।

फिर उत्तर मुख करके जनेऊ को कंठी करके (माला जैसी) पहने एवं पालकी लगाकर बैठे एवं दोनों हथेलियों के बीच से जल गिराकर दिव्य मनुष्य को तर्पण दें, इसके बाद दक्षिण मुख बैठकर, जनेऊ को दाहिने कंधे पर रखकर बाएं हाथ के नीचे ले जाए, थाली या ताम्र पात्र में काली तिल छोड़े फिर काली तिल हाथ में लेकर अपने पितरों का आह्वान करें।

ॐ आगच्छन्तु में पितर इमम ग्रहन्तु जलान्जलिम

फिर पितृ तीर्थ से अर्थात् अंगूठे और तर्जनी के मध्य भाग से तर्पण दें।

क्यों करें श्राद्ध?

जो स्वजन अपने शरीर को छोड़ कर चले गए हैं चाहे वे किसी भी रूप में अथवा किसी भी लोक में हों, उनकी तृप्ति और उन्नति के लिए श्रद्धा के साथ जो शुभ संकल्प और तर्पण किया जाता है, वह श्राद्ध है। माना जाता है कि सावन की पूर्णिमा से ही पितर मृत्यु लोक में आ जाते हैं और नवांकुरित कुशा की नोकों पर विराजमान हो जाते हैं। ऐसी मान्यता है कि पितृ पक्ष में हम जो भी पितरों के नाम का निकालते हैं, उसे वे सूक्ष्म रूप में आकर ग्रहण करते हैं। केवल तीन पीढ़ियों का श्राद्ध और पिंड दान करने का ही विधान है। श्राद्ध स्त्री या पुरुष, कोई भी कर सकता है। श्रद्धा से कराया गया भोजन और पवित्रता से जल का तर्पण ही श्राद्ध का आधार है। श्राद्ध का अनुष्ठान करते समय दिवंगत पूर्वज का नाम और उसके गोत्र का उच्चारण किया जाता है। परिवार का उत्तराधिकारी या ज्येष्ठ पुत्र ही श्राद्ध करता है। जिसके घर में कोई पुरुष न हो, वहां स्त्रियां ही इस परम्परा को निभाती हैं। परिवार का अंतिम पुरुष सदस्य अपना श्राद्ध जीते जी करने के लिए स्वतंत्र माना गया है। संन्यासी वर्ग अपना श्राद्ध अपने जीवन में कर ही लेते हैं।

कहते हैं कि जब महाभारत के युद्ध में कर्ण का निधन हो गया था और उनकी आत्मा स्वर्ग पहुंच गई, तो उन्हें रोजाना भोजन की बजाय खाने के लिए सोना और गहने दिए गए। इस बात से निराश होकर कर्ण की आत्मा ने इंद्र देव से इसका कारण पूछा। तब इंद्र ने कर्ण को बताया कि आपने अपने पूरे जीवन में सोने के आभूषणों को दूसरों को तो दान किया, लेकिन कभी भी अपने पूर्वजों को दान नहीं दिया। तब कर्ण ने उत्तर दिया कि वह अपने पूर्वजों के बारे में नहीं जानता है और उसे सुनने के बाद, भगवान इंद्र ने उसे 15 दिनों की अवधि के लिए पृथ्वी पर वापस जाने की अनुमति दी ताकि वह अपने पूर्वजों को भोजन दान कर सके। तब से इसी 15 दिन की अवधि को पितृ पक्ष के रूप में जाना जाता है।

(लेखक आध्यात्मिक चिंतक व वरिष्ठ पत्रकार हैं

पर्यटन के आगे-पीछे घूमती दुनिया

– रमेश सर्राफ धमोरा

किसी भी देश की अर्थव्यवस्था में पर्यटन का बड़ा योगदान होता है। यह उद्योग लाखों लोगों को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार उपलब्ध करा रहा है। पर्यटन स्थलों पर देश-विदेश से आने वाले पर्यटक परिवहन साधनों से लेकर होटल, रेस्तरां और पर्यटन स्थलों के टिकट पर व्यय करते हैं। जिससे राजस्व की बढ़ोतरी होती है। घूमने का शौक रखने वाले नए-नए पर्यटन स्थलों की खोज में रहते हैं। पर्यटन को बढ़ावा देने, पर्यटकों को आकर्षित करने और जागरूकता बढ़ाने के लिए हर वर्ष विश्व पर्यटन दिवस मनाया जाता है। आज हर देश की पहली जरूरत अर्थव्यवस्था को मजबूत करना है। कई देशों की अर्थव्यवस्था पर्यटन उद्योग के इर्द-गिर्द घूमती है। यूरोपीय देश, तटीय अफ्रीकी देश, पूर्वी एशियाई देश, कनाड़ा, आस्ट्रेलिया आदि ऐसे देश है। जहां पर पर्यटन उद्योग से प्राप्त आय वहां की अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करती है। पर्यटन सिर्फ हमारे जीवन में खुशियों के पल को वापस लागे में ही मदद नहीं करता है। बल्कि यह किसी भी देश के सांस्कृतिक, सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। वैश्विक स्तर पर पर्यटन दिवस 27 सितंबर को मनाया जाता है। पहली बार विश्व पर्यटन दिवस 1980 में मनाया गया था। इस दिन की शुरुआत संयुक्त राष्ट्र विश्व व्यापार संगठन ने की थी। 27 सितंबर के दिन विश्व पर्यटन दिवस मनाने की खास वजह थी। इसी दिन 1970 में संयुक्त राष्ट्र विश्व व्यापार संगठन को मान्यता मिली थी। संयुक्त राष्ट्र विश्व व्यापार संगठन की वर्षगांठ के दिन विश्व पर्यटन दिवस मनाने का फैसला लिया गया। पर्यटन दिवस को मनाने का उद्देश्य पर्यटन के जरिए रोजगार को बढ़ावा देने, लोगों को पर्यटन के प्रति जागरूक करने और अधिक से अधिक पर्यटन स्थलों के बारे में लोगों को जानकारी देना है। हर साल विश्व पर्यटन दिवस की मेजबानी दुनिया का कोई एक देश करता है। पिछले साल विश्व पर्यटन दिवस का मेजबानी इंडोनेशिया ने की थी। इस बार सऊदी अरब विश्व पर्यटन दिवस 2023 की मेजबानी कर रहा है। विश्व पर्यटन दिवस की एक खास थीम होती है। पिछले सात की थीम पर्यटन पर पुनर्विचार थी। कोरोना महामारी से पर्यटन को काफी नुकसान हुआ है। इस ओर अधिक ध्यान दिए जाने के लिए यह थीम तय की गई थी। इस वर्ष विश्व पर्यटन दिवस 2023 की थीम पर्यटन और हरित निवेश है। विश्व पर्यटन दिवस अंतरराष्ट्रीय स्तर पर टूरिज्म को बढ़ाने में मदद करता है। ताकि देशों को पर्यटन के लिहाज से एक दूसरे से जोड़ा जा सके। यात्रियों को अपने देश के अलावा विदेशी पर्यटक स्थलों के बारे में भी पता चले और वह दूसरे देश के पर्यटन के जरिए विदेशी संस्कृति को करीब से जान पाए। भारत दुनिया के उन चुनिंदा देशों में से है जहां कलात्मक, धार्मिक और प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर दर्शनीय स्थलों एवं कृतियों की कमी नहीं है। यही कारण है कि हजारों मील दूर रहने वाले विदेशी लोग भी पर्यटन के लिए यहां आने का लोभ छोड़ नहीं पाते हैं। यही नहीं देशी पर्यटक भी बड़ी तादाद में कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक फैले देश के विभिन्न पर्यटन केंद्रों पर देखे जा सकते हैं। देश के लिए बहुमूल्य विदेशी मुद्रा की कमाई करने में पर्यटन उद्योग का अच्छा खासा महत्व है। विशेषज्ञों द्वारा संभावना जताई जा रही है कि आगामी दस वर्षों में पर्यटन आधारित अर्थव्यवस्था में भारत का स्थान विश्व में तीसरा हो जाएगा। देश में इस दौरान लगभग एक करोड़ नये रोजगाार का इस क्षेत्र में सृजन होने की उम्मीद है। वर्ल्ड ट्रेवल एंड टूरिज्म काउंसिल द्वारा जारी रिपोर्ट में इस आशय की संभावनाओं की ओर इशारा किया गया है। अभी देश में लगभग चार करोड़ लोग टूर ऐंड टूरिज्म इंडस्ट्री के माध्यम से प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष तौर पर आजीविका हासिल कर रहे हैं। देश की अर्थव्यवस्था के विभिन्न पहलुओं पर नजर रखने वालों का मानना है कि देश में उपलब्ध पर्यटन क्षमता का समुचित रूप से इस्तेमाल नहीं किया जा रहा है। इस दिशा में अधिक प्रभावी व कारगर कदम उठाए जाने की आवश्यकता है। इसी नीति के तहत विभिन्न पर्यटन केंद्रों को प्रमुख छोटे-बड़े शहरों से जोड़ने के लिए दूरसंचार, सड़क और वायु परिवहन की अधिकाधिक सुविधा उपलब्ध कराने के लिए भारी निवेश की व्यवस्था की जा रही है। इसके अलावा परंपरागत पर्यटक केंद्रों के आसपास बुनियादी सुविधाएं व नए पर्यटन केंद्रों को विकसित करने पर जोर दिया जा रहा है। इस पूरे परिदृश्य से स्पष्ट होता है कि आगामी वर्षों में पर्यटन प्रबंधन तथा पर्यटक से जुड़े अन्य क्षेत्रों के विशेषज्ञों की बड़ी संख्या में मांग होगी। यह अवसर सरकारी से ज्यादा निजी क्षेत्रों में होने की अधिक संभावना जताई जा रही है। वर्ष 2021 में विश्व यात्रा और पर्यटन परिषद की रिपोर्ट में 178.0 बिलियन अमेरिकी डॉलर के योगदान के साथ भारत का पर्यटन क्षेत्र विश्व सकल घरेलू उत्पादन में अपने योगदान में छठे स्थान पर है। विदेशी मुद्रा के मामले में भारत के पर्यटन क्षेत्र ने वर्ष 2020 में 6.96 बिलियन अमेरिकी डॉलर की कमाई की। कोरोना महामारी के बाद इसके और तेजी से बढ़ने की उम्मीद है। वित्त वर्ष 2020 में भारत में पर्यटन क्षेत्र में 39 मिलियन लोगों को रोजगार मिला जो कि देश में कुल रोजगार का 8 प्रतिशत था। 2029 तक यह आंकड़ा लगभग 53 मिलियन होने की उम्मीद है। भारत में 40 स्थल, विश्व विरासत सूची में शामिल हैं, जिनमें 32 सांस्कृतिक, 7 प्राकृतिक और 1 मिश्रित स्थल शामिल हैं। इस मामले में भारत विश्व में छठे स्थान पर है। आज के समय में हर देश की पहली जरूरत अर्थव्यवस्था को मजबूत करना हैं। पर्यटन के कारण आज कई देशों की अर्थव्यवस्था पर्यटन उद्योग के इर्द-गिर्द घूमती है। पर्यटन विश्व का सबसे बड़ा क्षेत्र है। जो वैश्विक स्तर पर सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 11 प्रतिशत योगदान देता है। भारत में यह अभी भी 6.7 प्रतिशत ही है। जबकि पड़ोसी देशों चीन (8.6), इंडोनेशिया (9.2), मलेशिया (12.9), श्रीलंका (8.8) तथा थाइलैण्ड (13.9) है जो हमसे बहुत अधिक है। भारतीय हमेशा से अतिथि देवो भव: की भावना को मानते आएं भारत में आया हुआ हर पर्यटक देश के लिए अतिथि समान होता है। इसलिए दुनिया का हर नागरिक एक बार भारत में पर्यटक बनकर जरूर आना चाहता है। भारतीय संस्कृति व पर्यटन स्थल पर्यटकों को एक अलग ही अहसास का अनुभव करवाती है। पर्यटन से राष्ट्रीयता की भावना मजबूत होती है। साथ ही पर्यटन से जीवन में उदारता व सहिष्णुता की भावना आती है। साधु-संत जो सामान्य मानव से ऊपर स्थान प्राप्त करते हैं।

विचार मंथन

न्यायपालिका को अपने अधीन करना चाहती है सरकार?

(लेखक- सनत जैन)

सर्वोच्च न्यायालय में हरियाणा सरकार द्वारा एक याचिका दायर की गई थी। जिसमें हरियाणा सरकार ने यह मांग की थी, कि सिविल जजों की नियुक्ति पीएससी के माध्यम से हरियाणा सरकार कराए। इसमें न्यायपालिका का कोई हस्तक्षेप ना हो। यह याचिका सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के लिए आई। मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़, न्यायाधीश मनोज मिश्रा और न्यायमूर्ति पारदीवाला की खंडपीठ के समक्ष इसकी सुनवाई हुई, और इस याचिका को सुप्रीम कोर्ट ने निरस्त कर दिया। सुप्रीम कोर्ट और केंद्र सरकार के बीच में हाईकोर्ट और सुप्रीमकोर्ट के जजों की नियुक्ति को लेकर पिछले कई वर्षों से मतभेद देखने को मिल रहा है। सुप्रीम कोर्ट के कॉलेजियम द्वारा जिन नाम की अनुशंसा की जाती है। उसके अनुसार सरकार हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के जजों की नियुक्ति ना कर अनुशंसा को रोक लेती है। जिसके कारण कई बार सरकार और सुप्रीम कोर्ट के बीच में तनातनी देखने को मिली है। संविधान के अनुसार न्यायपालिका को पूरी तरह से स्वतंत्र रखा गया है। विधायिका और कार्यपालिका के निर्णय की समीक्षा करने का अधिकार न्यायपालिका को दिया गया है। संविधान के मूलभूत सिद्धांतों के अनुसार विधायिका को कानून बनाने की शक्तियां दी गई है। कार्यपालिका को कानून और नियमों का पालन करने की जिम्मेदारी संविधान ने सौंपी है। कार्यपालिका और विधायिका के कामों और कानून के संबंध में न्यायपालिका के निर्णय को सर्वोच्चता देने का काम संविधान ने किया है। पिछले कई वर्षों से केंद्र सरकार और न्यायपालिका के बीच में न्यायाधीशों की नियुक्ति को लेकर टकराव देखने को मिल रहा है। कॉलेजियम की अनुशंसाओं को कई महीने तक सरकार रोक कर रखती है। जबकि वर्तमान में नियम है, कि यदि सरकार को कॉलेजियम की अनुशंसा पसंद नहीं है, तो वह अपनी आपत्ति के साथ सर्वोच्च न्यायालय को वापस भेजेगा। सर्वोच्च न्यायालय उस आपत्ति पर विचार करके पुन: अनुशंसा करेगी। उस पर तुरंत सरकार को आदेश पारित करने का प्रावधान है। पिछले कुछ माह में कई ऐसे मामले आए हैं। जब सुप्रीम कोर्ट के आदेशों और अनुशंसा को केन्द्र सरकार ने पूरी तरह से नजर अंदाज कर दिया। अब यह मामला केंद्र सरकार और सुप्रीम कोर्ट के बीच से निकलकर राज्य सरकारों तक पहुंच रहा है। हाल ही में सुप्रीम कोर्ट के आदेश की एक हिसाब से अवहेलना करते हुए, महाराष्ट्र विधानसभा के विधानसभा अध्यक्ष ने अभी तक दल बदल करने वाले विधायकों के बारे में कोई निर्णय नहीं लिया। चार माह बाद सुनवाई शुरू करने की बात, तब शुरू हुई जब सुप्रीम कोर्ट ने इस पर कड़ी आपत्ति जताई। इसी तरह हरियाणा सरकार जजों की नियुक्ति में न्यायपालिका का हस्तक्षेप नहीं चाहती है। महाराष्ट्र के विधानसभा अध्यक्ष ने प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से यह भी कहा है, कि विधानसभा अध्यक्ष का निर्णय न्यायपालिका के अधीन नहीं है। विधानसभा अध्यक्ष जो भी निर्णय देंगे, वह सर्वोच्च होगा। न्यायपालिका को जिस तरह से केंद्र एवं राज्य सरकार की ओर से समय-समय पर चुनौती मिल रही है। हाईकोर्ट और सुप्रीमकोर्ट के आदेशों और निर्देशों का पालन नहीं हो रहा है। हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के आदेशों को सरकार द्वारा विवादित बनाया जा रहा है। यह स्थिति न्यायपालिका को कमजोर कर रही है। न्याय यदि समय पर नहीं होता है, तो वह एक तरीके से अन्याय ही माना जाता है। सतय पर न्याय नहीं होने से भ्रष्टाचार और अनैतिकता ही बढ़ती है। यही अनैतिक्ता महाराष्ट्र में होते हुए दिख रही है। राज्य सरकारें भी अब केन्द्र सरकार के रास्ते पर चल पडी हैं। कानूनी विशेषज्ञों के अनुसार संविधान में तीनों के अधिकार बिल्कुल अलग-अलग हैं। न्यायपालिका की सर्वोच्चता संविधान के अंतर्गत है। वह केंद्र या राज्य सरकारों के अधीन काम नहीं करती है। हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के निर्णय को मनाना सरकारों की बाध्यता है। यदि सरकार उनके आदेशों को नहीं मानती है। तो न्यायालयों को सख्त कार्यवाही करनी चाहिए। न्यायपालिका स्पष्ट निर्णय नहीं होते हैं। जिसके कारण न्याय पालिका की साख दिनों-दिन घटती जा रही है। न्यायपालिका को भी अपने आदेश में समय सीमा स्पष्ट रूप से अपने आदेशों में करनी चाहिए। विधायिका और कार्यपालिका यदि हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के आदेशों का पालन नहीं करते हैं। ऐसी स्थिति में आवमानना की कार्रवाई करते हुए कड़ी से कड़ी कार्रवाई करने के आदेश हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट को देना होंगे। केन्द्र सरकार संवैधानिक संस्थाओं को अपने अधीन लाने का प्रयास कर रही है। जजों की नियुक्ति और ट्रांसफर में केन्द्र सरकार, न्यायपालिका का हस्तक्षेप नहीं चाहती है। जजों की नियुक्ति केन्द्र सरकार स्वयं करना चाहती है। इसी तरह चुनाव आयोग का दर्जा घटाकर केन्द्रीय सचिव के समकक्ष लाकर तथा नियुक्ति स्वयं करके चुनाव आयोग की स्वतंत्रता सरकार बाधित करने कानून बनाने जा रही है। यदि सरकार यह करने में सफल हो गई।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

एयर इंडिया ने ए350 विमान का अधिग्रहण पूरा किया

नई दिल्ली । एयर इंडिया ने गिफ्ट सिटी के जरिए एचएसबीसी के साथ वित्त पट्टा लेनदेन के माध्यम से अपने पहले ए350-900 विमान का अधिग्रहण पूरा कर लिया है। यह देश के पहले अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र (आईएफएससी) गिफ्ट सिटी के जरिए पट्टे पर लिया जाने वाला पहला वाइड बॉडी विमान है। एयरलाइन के अनुसार लेन-देन को इसकी पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी एआई फ्लीट सर्विसेज लिमिटेड (एआईएफएस) द्वारा पूरा किया गया। यह इस साल की शुरुआत में दिए गए 470 विमान के ऑर्डर में से पहला वित्तपोषण लेनदेन है। एयर इंडिया के मुख्य वाणिज्यिक एवं परिवर्तन अधिकारी निपुण अग्रवाल ने कहा कि यह महत्वपूर्ण लेन-देन गिफ्ट आईएफएससी से हमारे विमान पट्टे के व्यवसाय की शुरुआत का प्रतीक है। एआईएफएस विस्तृत निकाय विमान वित्तपोषण के लिए एअर इंडिया समूह की पहली इकाई होगी, जो हमारे और हमारी अनुषंगी कंपनियों के लिए भविष्य की विमान वित्तपोषण रणनीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र प्राधिकरण (आईएफएससीए) के कार्यकारी निदेशक दीपेश शाह ने कहा कि वह विमान पट्टे और वित्तपोषण के लिए विनियामक क्षमता विकसित करने के लिए हितधारकों के साथ काम कर रहा है। एयर इंडिया ने इस साल जून में एयरबस और बोइंग के साथ इन विमानों के अधिग्रहण के लिए खरीद समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। अभी एयर इंडिया के पास 116 विमानों का बेड़ा है, जिसमें 49 वाइड बॉडी (चौड़े) विमान शामिल हैं। वहीं टाटा समूह अपने एयरलाइन व्यवसाय को मजबूत करने की प्रक्रिया में है, जिसके तहत एआईएक्स कनेक्ट का एअर इंडिया एक्सप्रेस के साथ विलय हो रहा है और विस्तारा का एयर इंडिया के साथ विलय किया जाएगा। विस्तारा टाटा और सिंगापुर एयरलाइन का एक संयुक्त उद्यम है। सिंगापुर एयरलाइन की वाहक में 49 प्रतिशत हिस्सेदारी है।

डीएचएल एक्सप्रेस पार्सल डिलीवरी की कीमतें बढ़ाएगी

मुंबई । लॉजिस्टिक्स कंपनी डीएचएल एक्सप्रेस अपनी वार्षिक मूल्य समायोजन प्रक्रिया के तहत अगले साल से भारत में पार्सल डिलीवरी की कीमत लगभग 6.9 प्रतिशत बढ़ाने की योजना बना रही है। कंपनी की ओर से जारी एक बयान के अनुसार मुद्रास्फीति सहित विभिन्न कारकों को ध्यान में रखते हुए कीमतें वार्षिक आधार पर नए सिरे से निर्धारित की जाती है। बयान में कहा गयाे कि भारत में औसतन 6.9 प्रतिशत की बढ़ोतरी की जाएगी। यह एक जनवरी 2024 से लागू होगी। डीएचएल एक्सप्रेस (दक्षिण एशिया) के वरिष्ठ उपाध्यक्ष आरएस सुब्रमण्यम ने कहा` कि कुल मिलाकर वैश्विक व्यापक आर्थिक स्थिति स्थिर होने लगी है। हालांकि अनिश्चितता बनी हुई है। इस कठिन समय में हम वैश्विक स्तर पर अपने सभी ग्राहकों को स्थिर तथा विश्वसनीय सेवाएं प्रदान करते हैं।

पेट्रोल पंप संचालकों ने एक अक्टूबर से फिर हड़ताल पर जाने की दी चेतावनी

जयपुर, राजस्थान में पेट्रोल पंप संचालक 1 अक्टूबर से फिर हड़ताल पर जाने की तैयारी कर रहे हैं। राजस्थान पेट्रोलियम डीलर्स एसोसिएशन के सदस्य ने कहा कि सरकार ने पेट्रोल-डीजल पर बढ़ रहे वैट का दस दिनों में समाधान का वादा किया था। लेकेि न 13 दिन बाद भी समाधान नहीं निकला है। इससे परेशान होकर वे 1 अक्टूबर को सुबह 6 से शाम 6 बजे तक सांकेतिक हड़ताल करेंगे। उन्होंने कहा कि अगर इसके बाद भी कोई कार्रवाई नहीं हुई, तो हम दो अक्टूबर को अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले जायेंगे। दरअसल, एसोसिएशन की ओर से वैट कम करने समेत अन्य मांगें की जा रही हैं। इसके लिए 13 और 14 सितंबर को दो दिवसीय सांकेतिक हड़ताल की गई थी, लेकिन सरकार की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिलने पर 15 सितंबर से अनिश्चितकालीन हड़ताल की गई। सरकार से वार्ता के दौरान मिले आश्वासन के बाद 15 सितंबर को ही हड़ताल स्थगित कर दी गयी थी।

शेयर बाजार में धातु, फार्मा शेयरों का प्रदर्शन शीर्ष पर

नई दिल्ली-

निफ्टी पर शीर्ष प्रदर्शन करने वालों में निफ्टी मेटल और निफ्टी फार्मा सबसे ऊपर रहे, जिनमें क्रमशः 2.66 फीसदी और 1.9 फीसदी की बढ़ोतरी हुई। बोनान्ज़ा पोर्टफोलियो के रिसर्च एनालिस्ट वैभव विदवानी ने ये बात कही है। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ हफ्तों में मेटल की कीमतें बढ़ रही हैं, जो धातु क्षेत्र को आगे बढ़ाने वाले कारकों में से एक था। हिंडाल्को इंडस्ट्रीज, एनटीपीसी, हीरो मोटोकॉर्प, डॉ. रेड्डीज लैबोरेटरीज और डिविस लैब शीर्ष लाभ पाने वालों में से थे, जबकि नुकसान में रहने वालों में अदानी एंटरप्राइजेज, एलटीआईमाइंडट्री, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, टेक महिंद्रा और पावर ग्रिड शामिल हैं। जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि ब्रिटेन के सकारात्मक जीडीपी आंकड़ों के कारण भारतीय बाजार में तेजी देखी गई, जिससे उसके वैश्विक साथियों के बीच विश्वास पैदा हुआ। हालाँकि, कमजोर तरलता और कमजोरी पर पर काबू पाने के लिए किसी ट्रिगर के न होने से बाजार को उच्च स्तर पर कड़े प्रतिरोध का सामना करना पड़ रहा है। सितंबर में अच्छे मानसून की वापसी से घरेलू मुद्रास्फीति के बढ़ने का जोखिम कम हो सकता है। उन्होंने कहा, इससे आरबीआई को अगले सप्ताह आगामी नीति बैठक में ठहराव बनाए रखने की छूट मिल सकती है।

कृषि और संबद्ध गतिविधियों में कर्ज अगस्त में 16.6 फीसदी बढ़ाः आरबीआई

मुंबई । कृषि और संबद्ध गतिविधियों में कर्ज वृद्धि पिछले महीने बढ़कर 16.6 फीसदी रही। वहीं बकाया कर्ज लगभग 18 लाख करोड़ रुपए पहुंच गया। भारतीय रिजर्व बैंक के ताजा आंकड़ों के अनुसार पिछले साल अगस्त महीने में कृषि और संबद्ध गतिविधियों में कर्ज वृद्धि 13.4 फीसदी रही थी। बैंकों की तरफ से इस क्षेत्र को दिया गया सकल कर्ज 17,96,113 करोड़ रुपए रहा। रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार उद्योग क्षेत्र को कर्ज इस साल अगस्त में सालाना आधार पर 6.1 फीसदी बढ़ा जबकि एक साल पहले इसमें 11.4 फीसदी की वृद्धि हुई थी। प्रमुख उद्योगों में अगस्त 2023 में बुनियादी धातु और धातु उत्पादों और वस्त्रों के लिये कर्ज में सालाना आधार पर तेजी आई। हालांकि, रसायन और रासायनिक उत्पादों, खाद्य प्रसंस्करण तथा बुनियादी ढांचा क्षेत्रों में कर्ज वृद्धि घटी है। सेवा क्षेत्र को दिए गए कर्ज में इस साल अगस्त में 20.7 फीसदी की वृद्धि हुई, जो एक साल पहले इसी महीने में 17.4 प्रतिशत थी। व्यक्तिगत कर्ज में वृद्धि आलोच्य महीने में कम होकर 18.3 प्रतिशत रही जो एक साल पहले इसी महीने में 19.4 फीसदी थी।

मजबूत शुरुआत के बाद निफ्टी में मुनाफावसूली

नई दिल्ली। भारतीय बाजारों की शुरुआत शुक्रवार को मजबूत रही और पूरे सत्र में बढ़त जारी रही। लेकिन आखिरी 45 मिनट के कारोबार में मुनाफावसूली देखी गई और निफ्टी में दिन के उच्चतम स्तर 19726 अंक से 100 से अधिक की गिरावट आ गई। एचडीएफसी सिक्योरिटीज में रिटेल रिसर्च के डिप्टी हेड देवर्ष वकील ने ये बात कही है। निफ्टी मिड और स्मॉल कैप100 इंडेक्स के छोटे शेयरों ने बेहतर प्रदर्शन किया, जहां निफ्टी में क्रमशः 1.08 प्रतिशत और 0.99 प्रतिशत की बढ़त हुई। आगे बढ़ने वाले शेयरों की संख्या घटने वाले शेयरों से अधिक है क्योंकि बीएसई पर अग्रिम गिरावट अनुपात 1.85 के स्तर पर है, जो 14 सितंबर के बाद सबसे अधिक है। उन्होंने कहा, नकदी बाजार की मात्रा हाल के औसत की तुलना में कम थी। निफ्टी आईटी को छोड़कर सभी सेक्टोरल इंडेक्स हरे निशान में बंद हुए। आईटी शेयरों पर असर पड़ा क्योंकि आईटी सेवा क्षेत्र की दिग्गज कंपनी एक्सेंचर ने अपने चौथे क्वार्टर राजस्व आंकड़े लक्षित सीमा के भीतर बताए, लेकिन अनुमान से कम रहे। उन्होंने कहा कि कंपनी ने अनुमान लगाया है कि पहली तिमाही में राजस्व वॉल स्ट्रीट लक्ष्य से कम रहेगा, जिससे संकेत मिलता है कि उच्च मुद्रास्फीति और ब्याज दरों का दबाव अगले साल तक मांग को प्रभावित करेगा। उन्होंने कहा कि सेक्टरों में निफ्टी फार्मा, हेल्थकेयर, मीडिया और निफ्टी पीएसयू बैंक प्रमुख लाभ में रहे।

अक्टूबर आमतौर पर इक्विटी बाजार के लिए अनुकूल महीना

नई दिल्ली।

रैली में बिकवाली वाली संरचना अक्टूबर में बदलने की संभावना है। अक्टूबर आमतौर पर अमेरिकी और भारतीय दोनों बाजारों के लिए एक अनुकूल महीना है। ऐसे संकेत हैं कि यह ऐतिहासिक प्रवृत्ति इस अक्टूबर में भी जारी रह सकती है। जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के मुख्य निवेश रणनीतिकार वी.के. विजयकुमार ने ये बात कही है।डॉलर में बढ़ोतरी, अमेरिकी बॉन्ड यील्ड और ब्रेंट क्रूड की तिहरी मार के कम होने के हैं। यदि यह प्रवृत्ति जारी रहती है तो इससे बाजार में सुधार होगा। उन्होंने कहा, गुरुवार को अमेरिकी बाजार में स्थिरता भी एक सहायक कारक हो सकती है। एफआईआई की लगातार बिकवाली का बाजार पर असर जारी रह सकता है। इस महीने एफआईआई की 25,000 करोड़ रुपये की बिकवाली से बैंकिंग शेयरों में गिरावट आई है। उन्होंने कहा, बैंकिंग सेगमेंट के दूसरी तिमाही के नतीजे अच्छे रहेंगे और बाजार इस पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दे सकता है।उन्होंने कहा, आज रात आने वाली अपेक्षित यूएस पीसीई मुद्रास्फीति डेटा महत्वपूर्ण है क्योंकि यह अमेरिकी मुद्रास्फीति और ब्याज दरों के आगे के रास्ते का संकेत दे सकता है।शुक्रवार को बीएसई सेंसेक्स 169 अंक ऊपर 65,677 अंक पर है। कारोबार में एनटीपीसी 3 फीसदी से ज्यादा ऊपर है। प्रभुदास लीलाधर में तकनीकी अनुसंधान की प्रमुख वैशाली पारेख का कहना है कि सुबह के सत्र में सकारात्मक नोट पर खुलने के बाद निफ्टी में भारी गिरावट आई। जैसे-जैसे दिन आगे बढ़ा, निफ्ट 19,550 के महत्वपूर्ण स्तर से नीचे टूट गया। यदि सूचकांक आने वाले सत्र में 19,550 क्षेत्र से नीचे बना रहता है, तो इसका अगला प्रमुख समर्थन क्षेत्र 19,250 होगा। पारेख ने कहा, दिन के लिए समर्थन 19,400 के स्तर पर देखा गया है जबकि प्रतिरोध 19,700 के स्तर पर देखा गया है।

ऑनलाइन गेमिंग, कैसीनो और घुड़दौड़ पर लगेगा 28 फीसदी जीएसटी

नई दिल्ली ।

केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) 1 अक्टूबर से ऑनलाइन गेमिंग, कैसीनो और घुड़दौड़ पर 28 प्रतिशत जीएसटी (वस्तु एवं सेवा कर) लागू किया जा सकता है। सीबीआईसी के चेयरमैन संजय अग्रवाल ने मीडियाकर्मियों से कहा कि हम इसे 1 अक्टूबर से लागू करने के लिए तैयार हैं। जीएसटी परिषद की पिछली बैठक में लिए गए निर्णय के अनुसार संबंधित अधिसूचनाएं प्रक्रियाधीन हैं। यह कदम सभी राज्यों की सर्वसम्मति से उठाया गया है और हाल ही में लोकसभा में जीएसटी कानूनों में संशोधन पारित किया गया। अग्रवाल ने कहा कि 1 अक्टूबर से ऑनलाइन गेमिंग पर 28 फीसदी जीएसटी लागू करने के लिए सभी राज्यों को इसे अपनी विधानसभाओं में पारित करना होगा या 30 सितंबर तक अध्यादेश जारी करना होगा। ऑनलाइन गेमिंग के मामले में लगाए गए दांव, कैसीनो के मामले में खरीदे गए चिप्स के अंकित मूल्य और घुड़दौड़ के मामले में सट्टेबाज, टोटलाइज़र के साथ लगाए गए दांव पर 28 प्रतिशत जीएसटी लागू होगा। कई ऑनलाइन गेमिंग कंपनियों को वर्तमान में लगने वाले 18 प्रतिशत के बजाय 28 प्रतिशत जीएसटी का भुगतान करने के लिए पहले ही नोटिस जारी किया जा चुका है। 11 अगस्त को लोकसभा ने मानसून सत्र के अपने अंतिम सत्र के दौरान ध्वनि मत से दो जीएसटी कानूनों में संशोधन पारित किया। ये संशोधन एकीकृत वस्तु और सेवा कर (संशोधन) विधेयक, 2023 और केंद्रीय वस्तु और सेवा कर (संशोधन) विधेयक, 2023 से संबंधित हैं, जिसका मकसद ऑनलाइन गेमिंग, कैसीनो और घुड़दौड़ के लिए 28 प्रतिशत जीएसटी लागू करना है।

रुपया नौ पैसे तेज होकर 83.10 प्रति डॉलर

मुंबई । अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया शुरुआती कारोबार में शुक्रवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले नौ पैसे की बढ़त के साथ 83.10 पर पहुंच गया। विदेशी कारोबारियों ने बताया कि विदेशी कोष की सतत निकासी और कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी से रुपए की बढ़त सीमित रही। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 83.13 पर खुलने के बाद 83.09 प्रति डॉलर पहुंच गया। बाद में 83.10 प्रति डॉलर पर रहा, जो पिछले बंद स्तर की तुलना में नौ पैसे की बढ़त है। गुरुवार को रुपया 83.19 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.19 प्रतिशत की गिरावट के साथ 106.02 पर रहा।

जेएसडब्ल्यू इन्फ्रास्ट्रक्चर का आईपीओ सफल

- सीमेंट कारोबार की लिस्टिंग पर अनिश्चितता

नई दिल्ली ।

सज्जन जिंदल का जेएसडब्ल्यू ग्रुप अपने सीमेंट और बंदरगाह कारोबारों को सफलता की गाथा में तब्दील करने का एक और प्रयास कर रहा है। दोनों में समय सीमा चूकने का इतिहास रहा है। हालांकि बंदरगाह कारोबार ने प्रगति की है, लेकिन विश्लेषक सीमेंट क्षेत्र की सहायक कंपनी की संभावनाओं के बारे में अनिश्चितता जता रहे हैं। बंदरगाह कार्यक्षेत्र जेएसडब्ल्यू इन्फ्रास्ट्रक्चर ने 2,800 करोड़ रुपए का अपना आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) बंद किया और इसे 37.37 गुना आवेदन मिले। जेएसडब्ल्यू ग्रुप के मामले में यह तीसरा आईपीओ था। जेएसडब्ल्यू स्टील और जेएसडब्ल्यू एनर्जी पहले से ही शेयर बाजार में सूचीबद्ध हैं और अपने-अपने क्षेत्रों की शीर्ष कंपनियां हैं। समूह का पिछला आईपीओ जेएसडब्ल्यू एनर्जी का था, जो दिसंबर 2009 में आया था। हालांकि जेएसडब्ल्यू एनर्जी और जेएसडब्ल्यू इन्फ्रास्ट्रक्चर के आईपीओ के बीच 13 साल से भी ज्यादा का यह अंतर योजनाबद्ध नहीं था। वर्ष 2017 में जिंदल ने संवाददाताओं को बंदरगाह कारोबार सूचीबद्ध करने की अपनी योजना के बारे में जानकारी दी थी। खबरों में समूह के चेयरमैन के हवाले से कहा गया था कि बंदरगाह कारोबार का क्षमता उपयोग कम से कम 10 करोड़ टन प्रति वर्ष (एमटीपीए) तक पहुंचने के बाद वर्ष 2019 या 2020 में सूचीबद्ध हो सकता है। इसी तरह

जेएसडब्ल्यू के सीमेंट कारोबार के लिए आईपीओ की योजना पर पहले भी चर्चा की जा चुकी है। मीडिया की पिछली खबरों के मुताबिक जेएसडब्ल्यू सीमेंट के प्रबंध निदेशक पार्थ जिंदल ने सीमेंट कारोबार वित्त वर्ष 20 में सूचीबद्ध किए जाने के संकेत दिए थे। वर्ष 2019 में एक साक्षात्कार में पार्थ जिंदल ने वर्ष 2021 में कारोबार को सूचीबद्ध करने की अपनी योजना के बारे में बताया था। लेकिन यह कारोबार अब तक सूचीबद्ध नहीं हुआ है। इस साल अगस्त में जिंदल ने इस सूचीबद्धता के लिए वित्त वर्ष 25 की नई समयावधि दी थी। इन दोनों कारोबारों के क्षमता विस्तार लक्ष्यों में एक समान प्रवृत्ति दिखाई दी है।

एनएसई पर कुल रजिस्टर्ड इंवेस्टर्स का आंकड़ा 8 करोड़ के पार हुआ, सिर्फ 8 महीने में जुड़े 1 करोड़ निवेशक

नई दिल्ली:

देश में शेयर बाजार में निवेश करने वाले की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है और इसको साबित करने वाला एक और आंकड़ा आ गया है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर पिछले आठ महीने में नए निवेशकों का रजिस्ट्रेशन एक करोड़ के आंकड़े पर पहुंच गया है। इसके साथ ही एनएसई पर कुल निवेशकों की संख्या आठ करोड़ से ज्यादा हो गई है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के मुताबिक उसके रजिस्टर्ड इंवेस्टर्स की संख्या में इजाफे के पीछे एक बड़ी वजह ये है कि कैपिटल मार्केट में अच्छा मूमेंटम बना हुआ है। एनएसई ने अहम बात कही है कि एक्सचेंज के साथ कुल रजिस्टर्ड क्लाइंट कोड्स ने 14.9 करोड़ का आंकड़ा छू लिया है, ऐसा इसलिए हुआ है क्योंकि क्लाइंट कोड एक से ज्यादा ट्रेडिंग सदस्यों के लिए होते हैं।

आठ महीनों के दौरान जुड़े 1 करोड़ नए निवेशक

स्टॉक एक्सचेंज ने एक रिलीज में कहा है कि 8 करोड़ यूनीक पैन इंवेस्टर्स भारत में लगभग 5 करोड़ यूनीक परिवारों के बराबर हैं। ये एनएसई के नेशनवाइड नेटवर्क के माध्यम से भारतीय शेयर बाजार में सीधे निवेश करने वाले लगभग 17 फीसदी परिवार हैं। इसके अलावा खास बात ये है कि पिछले 8 महीनों के दौरान एनएसई के प्लेटफॉर्म पर एक करोड़ नए इंवेस्टर्स रजिस्टर हुए हैं।

उत्तरी क्षेत्र का हिस्सा रहा सबसे ज्यादा

एनएसई ने कल 28 सितंबर को एक बयान में जानकारी देते हुए कहा कि नए निवेशकों का रजिस्ट्रेशन सिर्फ बड़े शहरों तक सीमित नहीं है।

नए रजिस्टर्ड इंवेस्टर्स में टॉप 100 शहरों से इतर इलाकों का हिस्सा 45 फीसदी रहा है। विभिन्न क्षेत्रों की बात की जाए, तो नए इंवेस्टर्स के रजिस्ट्रेशन में उत्तरी क्षेत्र का हिस्सा 43 फीसदी रहा है। इसके बाद 27 फीसदी के साथ पश्चिम का स्थान है।

दक्षिण क्षेत्र का हिस्सा 17 फीसदी और पूर्वी क्षेत्र का 13 फीसदी रहा है।

बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर अगस्त में 14 महीनों के शीर्ष पर

नई दिल्ली:

आठ प्रमुख बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर इस साल अगस्त में 14 महीनों के उच्च स्तर 12.1 प्रतिशत पर पहुंच गई। एक साल पहले इसी महीने में यह 4.2 प्रतिशत थी।

शुक्रवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक कोयला, कच्चा तेल और प्राकृतिक गैस के उत्पादन में वृद्धि से अगस्त महीने में बुनियादी क्षेत्रों की तेजी को बल मिला। पिछले 14 महीनों की सबसे अधिक वृद्धि दर अगस्त में रही है।

पिछला उच्च स्तर जून, 2022 में 13.2 प्रतिशत रहा था।वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के आंकड़ों से पता चलता है कि अगस्त में रिफाइनरी उत्पादों, इस्पात, सीमेंट और बिजली क्षेत्र का उत्पादन भी बढ़ा। इसके पहले जुलाई महीने में इन प्रमुख उद्योगों की वृद्धि दर 8.4 प्रतिशत रही थी। हालांकि चालू वित्त वर्ष के पहले पांच महीनों (अप्रैल-अगस्त) में आठ क्षेत्रों की उत्पादन वृद्धि 7.7 प्रतिशत रही, जो एक साल पहले की अवधि में 10 प्रतिशत थी।

ज़ी-सोनी के विलय में हुई और देरी

नई दिल्ली।

जापान के सोनी ग्रुप की सहायक कंपनी सोनी पिक्चर्स का ज़ी एंटरटेनमेंट के साथ विलय में कुछ महीनों की और देरी हो गई है। हालांकि सभी ट्रांजैक्शन पहले 31 मार्च, 2024 को समाप्त वित्तीय वर्ष की पहली छमाही के अंत तक खत्म होने की उम्मीद थी, लेकिन अब इसके आगे होने की संभावना है। सोनी ने एक बयान में कहा, सोनी अपने समेकित वित्तीय परिणामों पर लेनदेन के प्रभाव का आकलन करना जारी रखे हुए है। बयान में कहा गया है, दोनों कंपनियां लेनदेन को पूरा करने के लिए आवश्यक प्रक्रियाओं के साथ आगे बढ़ रही हैं। इस महीने की शुरुआत में, एक्सिस फाइनेंस द्वारा प्राप्त विलय के लिए एनसीएलटी की मंजूरी को चुनौती देने के लिए अपीलीय न्यायाधिकरण से संपर्क करने के बाद ज़ी को एक नया झटका लगा। आईडीबीआई बैंक पहले ही एनसीएलटी के आदेश को राष्ट्रीय कंपनी कानून अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) में चुनौती दे चुका है। विलय की घोषणा पहली बार 2021 में की गई थी। ज़ी समूह इकाई द्वारा ऋण चूक पर ऋणदाताओं के साथ कानूनी लड़ाई सहित मुद्दों के कारण इसमें देरी हुई। सेबी द्वारा ज़ी के सीईओ, पुनित गोयनका, जो विलय की गई इकाई के प्रमुख थे, को सूचीबद्ध कंपनियों के बोर्ड से एक साल के लिए

प्रतिबंधित करने के बाद विलय समस्याओं में पड़ गया।

जालान कालरॉक कंसोर्टियम ने जेट एयरवेज में किया अतिरिक्त 100 करोड़ रुपए का निवेश

मुंबईः

जालान कालरॉक कंसोर्टियम (जेकेसी) ने बंद पड़ी विमानन कंपनी जेट एयरवेज का परिचालन फिर से शुरू करने के लिए अदालत द्वारा अनुमोदित समाधान योजना के तहत एयरलाइन में अतिरिक्त 100 करोड़ रुपए का निवेश करने की शुक्रवार को घोषणा की। जेकेसी की ओर से जारी एक बयान के अनुसार, इसके साथ कंसोर्टियम ने एयरलाइन को फिर से चालू करने के लिए 350 करोड़ रुपए की अपनी कुल वित्तीय प्रतिबद्धता को पूरा कर दिया है। यह जेट एयरवेज का स्वामित्व संभालने का मार्ग प्रशस्त करेगा। कंपनी ने कहा कि उसे उम्मीद है कि एयरलाइन अगले साल शुरू हो जाएगी। इसकी सेवाएं शुरू होने की तारीख अगले कुछ दिनों में घोषित किए जाने की संभावना है। जेट एयरवेज का परिचालन 17 अप्रैल 2019 से बंद हैं। जालान कालरॉक कंसोर्टियम (जेकेसी) इसके कर्ज समाधान के लिए चलाई गई प्रक्रिया में गठजोड़ विजेता बोलीकर्ता बनकर उभरा था।

विश्व कप क्वालीफायर के लिए ब्राजील की टीम में गुइलहर्मे अराना शामिल

रियो डी जनेरियो। ब्राजीलियाई फुटबॉल परिसंघ ने बताया कि गुइलहर्मे अराना को वेनेजुएला और उरुग्वे के खिलाफ फीफा विश्व कप क्वालीफायर के लिए ब्राजील की टीम में शामिल किया गया है। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, 26 वर्षीय खिलाड़ी कैओ हेनरिक की जगह लेंगे, जो इंजरी के कारण बाहर हुए हैं। वहीं, गंभीर चोट के कारण सर्जरी से उबरने के बाद अराना करीब एक साल बाद वापसी करने के लिए तैयार हैं। डिफेंडर ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, मुझे विश्व कप से चूकने की निराशा से उबरना था लेकिन मैं पहले से कहीं ज्यादा मजबूत होकर वापस आया हूं। ब्राजील 12 अक्टूबर को कुइआबा में वेनेजुएला से और पांच दिन बाद मोंटेवीडियो में उरुग्वे के खिलाफ मैच खेलेगा। ब्राजील ने विश्व कप 2026 के लिए अपने क्वालीफाइंग अभियान की शुरुआत इस महीने की शुरुआत में बोलीविया पर 5-1 की घरेलू जीत और पेरू पर 1-0 की जीत के साथ की।

एशियाई खेल : निशानेबाजी में ऐश्वर्या, स्वप्निल और श्योरण ने स्वर्ण के साथ बनाया विश्व रिकार्ड

हांगझोऊ । (एजेंसी)

एशियाई खेलों में भारतीय निशानेबाजों का शानदार प्रदर्शन जारी है पुरुष वर्ग में भारत की ओर से ऐश्वर्या प्रताप सिंह तोमर, स्वप्निल कुसाले और अखिल श्योरण की टीम ने 50 मीटर राइफल में स्वर्ण पर निशाना लगाया। ऐश्वर्या प्रताप सिंह तोमर, स्वप्निल कुसाले और श्योरण ने 50 मीटर राइफल में 1736 अंक के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ ही विश्व रिकॉर्ड तोड़ा है। स्वप्निल ने इनर 10 क्षेत्र में 33 हिट के साथ 591 का स्कोर बनाया, जबकि ऐश्वर्य का भी यही स्कोर था, लेकिन इनर 10 क्षेत्र में उनके पास 27 शॉट थे और उन्होंने रिकॉर्ड साझा किया। अखिल श्योरण भी शानदार फॉर्म में थे और उन्होंने 587 का स्कोर बनाया और क्वालीफाइंग चरण में 5वें स्थान पर रहे, लेकिन फाइनल में जगह नहीं बना सके क्योंकि नियम फाइनल में एक देश से केवल दो प्रतिभागियों को अनुमति देते हैं पर श्योरण ने फिर भी पदक जीता क्योंकि भारतीय टीम संयुक्त रूप से तालिका में शीर्ष पर रही और टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक उसे मिला। कुसाले, तोमर और श्योराण के इस शानदार प्रयास से भारत ने टीम स्पर्धा में कुल 1769 अंक हासिल कर पहला स्थान हासिल कर स्वर्ण प्राप्त किया जबकि चीन 1763 अंक लेकर दूसरे स्थान के साथ ही रजत और कोरिया 1748 अंक के स्कोर के साथ तीसरा स्थान हासिल कर कांस्य पदक जीतने में सफल रहा। स्वप्निल और तोमर के पास एक और पदक जीतने का मौका था क्योंकि उन्होंने व्यक्तिगत स्पर्धा के फाइनल के लिए क्वालीफाई किया और क्वालिफिकेशन राउंड के अंत में स्टैंडिंग में पहले और दूसरे स्थान पर रहे। शूटिंग की इस कठिन प्रतियोगिता में, जिसमें घुटने टेककर, प्रोन और खड़े होकर शूटिंग करते समय एक प्रतिभागी की क्षमताओं का परीक्षण किया जाता है, तोमर ने घुटने टेककर 99 और 100, प्रोन में 98 और 99 और खड़े होकर 98 और 97 का स्कोर किया। कुसाले को नीलिंग में 98 और 98, प्रोन में 100 और 99 और स्टैंडिंग में 99 और 97 का स्कोर मिला।

अदिति संयुक्त 2 पर बरकरार, प्रणवी, अवनि आगे बढ़ीं

हांगझोउ, (एजेंसी)

भारत की अदिति अशोक ने एशियाई महिला गोल्फ व्यक्तिगत चैंपियनशिप में शुक्रवार को दूसरे दौर के बाद कुल 11-अंडर पार 133 के स्कोर के साथ चीन की विश्व नंबर 25 यिन रुओनिंग के साथ संयुक्त दूसरा स्थान बरकरार रखा है। अदिति, जो 2021 में टोक्यो ओलंपिक खेलों में चौथे स्थान पर रहकर सुर्खियों में आईं, ने शुक्रवार को दूसरे दौर में छह अंडर 66 का स्कोर किया और पहले दौर में बनाए गए 67 को जोड़ दिया। थाईलैंड की युबोल अर्पिचया ने शुक्रवार को 65 का मजबूत स्कोर बनाकर पहले राउंड में अपने 67 के स्कोर के साथ जोड़ा और चीन की लिन जुयि से बढ़त ले ली है, जिन्होंने आज 66 का स्कोर किया और 134 के साथ चौथे स्थान पर हैं। अन्य भारतीयों में, प्रणवी उर्स ने 4-अंडर 68 का स्कोर किया, जिससे उन्हें 139 के स्कोर के साथ 7 स्थान ऊपर संयुक्त 10 में पहुंचने में मदद मिली, जबकि अवनि प्रशांत को छह स्थान का फायदा हुआ और वह 141 के स्कोर के साथ संयुक्त15 पर हैं। तीनों भारतीयों ने कट हासिल किया जो 3-अंडर 141 पर लागू किया गया । टीम प्रतियोगिता में, भारत 272 के स्कोर के साथ चीन (267) और थाईलैंड (268) से पीछे रहकर तीसरे स्थान पर रहा। टीम प्रतियोगिता में आठ टीमों ने अंतिम दो राउंड के लिए क्वालीफाई किया।

ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर ने 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन व्यक्तिगत स्पर्धा में रजत जीता

हांगझोउ। ऐश्वर्य प्रताप सिंह ने शुक्रवार को यहां 19वें एशियाई खेल 2023 में पुरुषों की 50 मीटर राइफल 3-पोजिशन व्यक्तिगत स्पर्धा में रजत पदक जीता, जबकि स्वप्निल सुरेश कुसाले चौथे स्थान पर रहे। ऐश्वर्य ने शानदार वापसी करते हुए पांचवें स्थान से आगे बढ़ते हुए 459.7 के स्कोर के साथ रजत पदक हासिल किया। नीलिंग और प्रोन शॉट के बाद स्वप्निल 310.8 अंक के साथ आगे चल रहे थे। इस बीच, ऐश्वर्य 306.4 अंकों के साथ पांचवें स्थान पर थे । खड़े होने की स्थिति में, स्वप्निल 7.6 शॉट के बाद पांचवें स्थान पर गिरने से पहले शीर्ष पर बने रहे और चौथे स्थान पर रहकर पदक से चूक गए। इससे पहले आज, स्वप्निल और ऐश्वर्य ने, अखिल श्योरण के साथ, एशियाई खेलों 2023 में विश्व रिकॉर्ड स्कोर के साथ पुरुषों की 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन टीम की शूटिंग में स्वर्ण पदक जीता। ऐश्वर्य के रजत पदक से भारत को निशानेबाजी में अब तक के सर्वाधिक 18 पदक हासिल करने में मदद मिली।

भारतीय बैडमिंटन पुरुष टीम सेमीफाइनल में , 37 साल बाद पदक पक्का; महिला टीम क्वार्टर फाइनल में हारी

हांगझोउ। (एजेंसी)

भारतीय पुरुष बैडमिंटन टीम ने नेपाल को 3-0 से हराकर 19वें एशियाई खेलों के सेमीफाइनल में प्रवेश किया और 37 साल के अंतराल के बाद ऐतिहासिक पदक पक्का किया। भारत का अगला मुकाबला शनिवार को इंडोनेशिया और दक्षिण कोरिया के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगा। आखिरी बार पुरुष टीम ने 1986 के सोल संस्करण के दौरान इस प्रतिष्ठित महाद्वीपीय टूर्नामेंट में पदक हासिल किया था। प्रकाश पादुकोण और सैयद मोदी जैसे दिग्गजों ने टीम का नेतृत्व किया, जिसमें विमल कुमार, रवि कुंटे, उदय पवार, सनत मिश्रा और लेरॉय डिसा शामिल थे। विश्व के 14वें नंबर के खिलाड़ी लक्ष्य सेन ने प्रिंस दहल को 21-5, 21-8 से हराकर भारत को 1-0 की बढ़त दिला दी। किदांबी श्रीकांत ने दूसरे मुकाबले में सुनील जोशी को 21-4, 21-13 से हराकर भारत को मुकाबले में 2-0 से आगे कर दिया। फिर, मिथुन मंजुनाथ ने मैच 3 में बिष्णु कटुवाल को 21-2, 21-7 से हराकर पुरुष टीम स्पर्धा के सेमीफाइनल में भारत की प्रगति को सील कर दिया। हालांकि, महिला टीम क्वार्टर फाइनल में थाईलैंड से 0-3 से हारकर बाहर हो गई। भारतीय स्टार पीवी सिंधु पहले मैच में पोर्नपावी चोचुवोंग से 21-14, 15-21, 14-21 से हार गईं, जबकि गायत्री गोपीचंद और ट्रीसा जॉली की महिला युगल जोड़ी को किट्टीथाराकुल और प्राजोंगजई से 19-21, 5-21 से हार का सामना करना पड़ा। तीसरे मैच में अश्मिता चालिहा बुसानन ओंगबामरुंगफान से 9-21, 16-21 से हार गईं। सिंधु ने शुरुआती बढ़त ले ली, लेकिन चोचुवोंग ने वापसी करते हुए अगले दो गेम जीत लिए, जिससे थाईलैंड को 1-0 की बढ़त मिल गई। भारत ने महाद्वीपीय प्रतियोगिता में अपना आखिरी महिला टीम पदक इंचियोन में 2014 संस्करण में जीता था। सिंधु और अश्विनी पोनप्पा उस सफलता का हिस्सा थीं।

संक्षिप्त समाचार

महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल में पलक को गोल्ड, ईशा को सिल्वर

हांगझोऊ। एशियाई खेलों में महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल में पलक ने भारत के लिए गोल्ड मेडल जीता है। वहीं ईशा सिंह ने इसी इवेंट में सिल्वर मेडल अपने नाम किया।17 साल की पलक ने एशियाई खेलों में 241.2 का नया विजयी स्कोर बनाया, जबकि 18 साल की ईशा ने 239.7 का स्कोर हासिल किया।इससे पहले, यह जोड़ी महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल टीम का हिस्सा थी जिसने सिल्वर मेडल हासिल किया था।18 साल की ईशा सिंह का इस एर्शो याड में यह चौथा मेडल है। वह 25 मीटर पिस्टल टीम इवेंट में गोल्ड जीत चुकी हैं। इसके अलावा उन्होंने25 मीटर पिस्टल टीम, 25 मीटर पिस्टल व्यक्तिगत, 10 मीटर एयर पिस्टल व्यक्तिगत, 10 मीटर एयर पिस्टल टीम में रजत पदक पर कब्जा किया।

इंग्लैंड के खिलाफ पहला मैच नहीं खेलेंगे विलियमसन : न्यूजीलैंड क्रिकेट

हैदराबाद। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने शुक्रवार को बताया कि न्यूजीलैंड के कप्तान केन विलियमसन इंग्लैंड के खिलाफ विश्व कप के शुरुआती मैच में नहीं खेल पाएंगे, क्योंकि उनके घुटने का पुनर्वास जारी है। विलियमसन शुक्रवार को राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय स्टेडियम में पाकिस्तान के खिलाफ पहले अभ्यास मैच में केवल बल्लेबाज के रूप में खेल रहे हैं, जिसका लक्ष्य सोमवार को तिरुवनंतपुरम में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे और अंतिम अभ्यास मैच में बल्लेबाजी और आंकलन करना है। विलियमसन की फिटनेस पर बात करते हुए, मुख्य कोच गैरी स्टीड ने कहा, शुरू से ही हमने केन की खेल में वापसी पर दीर्घकालिक दृष्टिकोण रखा है। उनकी रिकवरी अच्छी हो रही है। कोच ने आगे कहा, हम केन के पुनर्वास के लिए दिन-ब-दिन दृष्टिकोण अपनाना जारी रखेंगे और निश्चित रूप से तैयार होने से पहले लौटने के लिए उस पर कोई दबाव नहीं डालेंगे। विलियमसन ने आईपीएल 2023 के उद्घाटन मैच के दौरान एसीएल टूटने के कारण छह महीने के ब्रेक के बाद प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी की। अनुपस्थिति की इस अवधि के दौरान उनकी सर्जरी हुई। इंग्लैंड में राष्ट्रीय टीम के साथ प्रशिक्षण के दौरान उन्होंने अपना पुनर्वास जारी रखा। विलियमसन की अनुपस्थिति के दौरान, टॉम लाथम5 अक्टूबर को अहमदाबाद में इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले विश्व कप के पहले मैच में न्यूजीलैंड के लिए कप्तान की भूमिका निभाएंगे। लाथम दो अभ्यास मैचों में भी टीम की कमान संभालेंगे। विलियमसन का मुख्य ध्यान 9 अक्टूबर को नीदरलैंड के खिलाफ होने वाले न्यूजीलैंड के दूसरे विश्व कप मैच के लिए फिटनेस हासिल करने पर होगा।

कर्नाटक के सीएम ने स्वर्ण पदक विजेता भारतीय महिला ब्लाइंड क्रिकेट टीम को सम्मानित किया

बेंगलुरु। (एजेंसी)

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दारमैया ने शुक्रवार को अपने कार्यालय कृष्णा में भारतीय महिला ब्लाइंड क्रिकेट टीम और कर्नाटक की पुरुष ब्लाइंड क्रिकेट टीम के सदस्यों को सम्मानित किया।भारतीय महिला ब्लाइंड क्रिकेट टीम ने आईबीएसए विश्व क्रिकेट टूर्नामेंट (क्रिकेट फॉर ब्लाइंड) में स्वर्ण पदक और पुरुष ब्लाइंड क्रिकेट टीम ने रजत पदक जीता। मुख्यमंत्री ने भारतीय महिला ब्लाइंड क्रिकेट टीम की कप्तान वर्षा.यू और टीम के खिलाड़ियों दीपिका, गंगव्वा और कर्नाटक की पुरुष टीम के प्रकाश जे, सुनील कुमार, बसप्पा वोडगोल को सम्मानित किया। महिला क्रिकेट टीम ने अगस्त में आईबीएसए विश्व खेलों में ऑस्ट्रेलिया को नौ विकेट से हराकर स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रचा।कर्नाटक राज्य ओलंपिक संगठन के अध्यक्ष और मुख्यमंत्री के राजनीतिक सचिव गोविंदा राजू के नेतृत्व में पदक विजेता खिलाड़ियों की टीम ने मुख्यमंत्री से मुलाकात की और अपनी मांगें रखीं। मुख्यमंत्री ने सकारात्मक प्रतिक्रिया दी और गोविंदराजू के साथ अलग से चर्चा करने और उनकी मांगों को पूरा करने के लिए उचित निर्णय लेने का आश्वासन दिया। मुख्यमंत्री सिद्दारमैया ने खिलाड़ियों से बातचीत की और उनसे खिलाड़ियों को मिलने वाले प्रशिक्षण, वे गेंद को कैसे पहचानते हैं, उन्होंने कितने मैच खेले हैं आदि के बारे में दिलचस्प सवाल पूछे। मुख्यमंत्री के राजनीतिक सलाहकार नसीर अहमद, क्रिकेट एसोसिएशन फॉर ब्लाइंड इंडिया के आजीवन अध्यक्ष महंतेश, सीएबीआई के अध्यक्ष बूसागौड़ा और समर्थनम ट्रस्ट के प्रतिनिधि भी उपस्थित थे।

बोपन्ना-भोसले की जोड़ी मिश्रित युगल फाइनल में पहुंची

हांगझोऊ। भारतीय टेनिस स्टार रोहन बोपन्ना और रुतुजा भोसले ने चीनी ताइपे के यू-हसिउ सू और हाओ-चिंग को 6-1, 3-6, 10-4 से हराकर एशियाई खेलों में मिश्रित युगल के स्वर्ण पदक मैच में अपनी जगह पक्की कर ली। भारतीय जोड़ी ने शुरुआती बढ़त हासिल करते हुए शुरुआती सेट 28 मिनट में अपने नाम कर लिया। फिर भी, तीसरी वरीयता प्राप्त चीनी ताइपे जोड़ी ने दूसरे सेट में वापसी की और स्कोर बराबर किया। जिसके बाद 10-पॉइंट टाई-ब्रेकर सेट खेला गया। फिर, बोपन्ना और भोसले टाई-ब्रेकर में विजयी हुए उन्होंने छह महत्वपूर्ण अंक बनाए और मिश्रित युगल फाइनल में स्थान अर्जित किया। फाइनल मुकाबले में भारत शनिवार को चीनी ताइपे की दूसरी जोड़ी त्सुंग-हाओ हुआंग और एन-शुओ लियांग से भिड़ेगा। विशेष रूप से रोहन बोपन्ना और रुतुजा भोसले अपने पहले एशियाई खेलों के मिश्रित युगल पदक को सुरक्षित करने की कगार पर हैं, जिससे कम से कम रजत पदक की गारंटी है, जो दोनों खिलाड़ियों के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। एशियाई खेलों के इतिहास में भारतीय टीम ने कुल छह मिश्रित युगल पदक अर्जित किए हैं, जिनमें से प्रत्येक में दो स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक शामिल हैं।

स्क्वैश में भारत को मिला ब्रॉन्ज

हांगझोऊ। जोशना चिनप्पा, तन्वी खन्ना और अनाहत सिंह की भारतीय महिला स्क्वैश टीम को 19वें एशियाई खेलों के सेमीफाइनल में शुक्रवार को हांगकांग के खिलाफ 1-2 से हार के बाद कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। तन्वी शुरुआती मैच में चैन सिन युक से 0-3 (6-11, 7-11, 3-11) से हार गईं, वहीं जोशाना ने पांच गेमों का रोमांचक मैच 3-2 (7-11, 11-7, 9-11, 11-6, 11-8) से जीतकर स्कोर बराबर किया। फिर, 15 वर्षीय अनाहत ने फाइनल मैच में अपनी काबिलियत का प्रदर्शन किया और ली का यी के खिलाफ तीसरे गेम में शानदार वापसी की, लेकिन यह पर्याप्त साबित नहीं हुआ और वह 0-3 से हार गई। शुक्रवार को पुरुष टीम सेमीफाइनल में मलेशिया से भिड़ेगी।

हांगझोउ में निशानेबाजी में भारत की सफलता का चार्ट एनसीआर में वॉर रूम के अंदर बनाया गया

हांगझोउ। यह राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में डॉ कर्णी सिंह शूटिंग रेंज में एक साधारण कमरा है और इसने हांगझोउ में 19वें एशियाई खेलों में भारतीय निशानेबाजों के शानदार प्रदर्शन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। एशियाई खेलों में भारतीय निशानेबाजों की सफलता का चार्ट इस कमरे में एक अनूठी सिमुलेशन तकनीक और ड्राई शूटिंग के माध्यम से लगाया गया था, जिसे निशानेबाजों द्वारा वॉर रूम कहा जाता है।भारत ने हांगझोउ में अब तक छह स्वर्ण पदक सहित 18 पदक जीते हैं, जो एशियाई खेलों में निशानेबाजी में देश का अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। निशानेबाजी में भारत का पिछला सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 2006 में दोहा एशियाई खेलों में था जब भारतीय निशानेबाजों ने 13 पदक जीते थे - 3 स्वर्ण, 5 रजत और 6 कांस्य। शुक्रवार को, महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल व्यक्तिगत स्पर्धा में भारत की स्वर्ण पदक विजेता पलक गुलिया ने इस बारे में बात की कि कैसे तुगलकाबाद में डॉ कर्णी सिंह रेंज में वॉर रूम के अंदर फाइनल के परिदृश्य का अनुकरण करने से उन्हें एशियाई खेलों की तैयारी में मदद मिली। उसने कहा, हमने इस वॉर रूम में विभिन्न स्थितियों का अनुकरण किया, जैसे फ़ाइनल, अंतिम चार शॉट, अंतिम दो शॉट, और फिर विभिन्न मापदंडों की जांच की - जैसे नाड़ी की दर, दिल की धड़कन, सांस लेना आदि। किस ब्रेक के बाद (10 शॉट, 12, 14 शॉट) क्या हम अति उत्साहित हो रहे हैं, हम कब आराम कर रहे हैं - एक ऐसी स्थिति जिसमें हमें हमेशा फाइनल में रहना चाहिए - यह सब हमने वॉर रूम में किया। पलक ने एशियाई खेलों में स्वर्ण और रजत पदक जीतने के बाद कहा, मैंने व्यक्तिगत रूप से बहुत सारे सत्र किए और मानसिक प्रशिक्षण सत्रों में भी भाग लिया, जिनमें से हमारे पास हर हफ्ते तीन थे। इससे मुझे एशियाई खेलों की तैयारी में बहुत मदद मिली। .वॉर रूम प्रशिक्षण नेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ इंडिया के हाई-परफॉर्मेंस डायरेक्टर, पियरे ब्यूचैम्प के दिमाग की उपज है। वॉर रूम में, तस्वीरों के माध्यम से, कोच शूटिंग रेंज का अनुकरण करते हैं जिसमें निशानेबाज अगले भाग में हिस्सा लेंगे और फिर उन्हें क्वालीफाइंग या अंतिम ड्राई शूट (पूरी दिनचर्या का पालन करें और बिना किसी गोला-बारूद के सिर्फ शूटिंग) जैसी स्थितियां दें। राष्ट्रीय टीम के पिस्टल कोच रौनक पंडित ने कहा, पहले, निशानेबाज दीवार पर ड्राई-शूट करते थे। लेकिन अब हम रेंज और लक्ष्य की तस्वीरें खरीदते हैं जिन्हें दीवार पर प्रक्षेपित किया जाता है।

एएफआई अगले कैलेंडर वर्ष से राष्ट्रीय कोचिंग शिविरों का डिसेन्ट्रेलाइज़ करेगा

नई दिल्ली। देश भर में प्रशिक्षण आधार को व्यापक बनाने के लिए, भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) ने अगले कैलेंडर वर्ष से राष्ट्रीय कोचिंग शिविरों को डिसेन्ट्रलाइज़ करने का फैसला किया है। एएफआई अध्यक्ष आदिल सुमारिवाला ने कहा, 2024 पेरिस ओलंपिक खेलों की तैयारी के लिए चुनिंदा आयोजनों में राष्ट्रीय शिविर विशिष्ट एथलीटों के लिए जारी रहेंगे। तीन मुख्य शहरों-बेंगलुरु, पटियाला और तिरुवनंतपुरम में राष्ट्रीय कोचिंग शिविर आयोजित करने के बजाय, एएफआई भविष्य में देश भर में 20 से अधिक शिविर आयोजित करेगा। सुमारिवाला ने आगे कहा, राष्ट्रीय शिविरों के डिसेन्ट्रलाइज़ करने का बड़ा निर्णय गुरुवार को आयोजित एएफआई की विशेष आम बैठक के दौरान लिया गया। देश भर में कोचिंग शिविरों की अधिक संख्या से बुनियादी ढांचा मजबूत होगा और प्रशिक्षण आधार का विस्तार होगा। सुमारिवाला, जो विश्व एथलेटिक्स के उपाध्यक्षों में से एक हैं उनके अनुसार देश भर में कोचिंग शिविरों की निगरानी के लिए तौर-तरीके जल्द ही तैयार किए जाएंगे। एएफआई अध्यक्ष ने कहा, एएफआई एक पैनल का गठन करेगा जो देश भर में फैले शिविरों के कामकाज की निगरानी के लिए एक ड्रॉफ्ट तैयार करेगा। 2024 पेरिस ओलंपिक खेलों की तैयारी में एएफआई सात विषयों में मुख्य रूप से भाला (पुरुष और महिला), स्टीपलचेज़ (पुरुष और महिला), कूद (लंबी और ट्रिपल), रेस वॉकिंग (पुरुष और महिला दोनों), 4×400 मीटर रिले (पुरुष और महिला) और थ्रो (पुरुष शॉट पुट) में विशिष्ट एथलीटों के लिए राष्ट्रीय शिविर जारी रखेगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बगीचे

स्थापना व प्रबंधन

नवीन उद्यान का विन्यास (लेआउट) कैसे करें

नवीन उद्यान का विन्यास (रेखांकन) एक बहुत तकनीकी एवं महत्वपूर्ण क्रिया है । सर्वप्रथम क्षेत्रफल नाप लिया जाये तथा उसका क्षेत्रफल ज्ञात करें फिर चयनित फल एवं उसकी प्रजाति के आधार पर निर्धारित करें कि कतार से कतार एवं पौधे से पौधे की दूरी निर्धारित करें । उद्यान रेखांकन करते समय निम्नलिखित उद्यान स्थल निर्धारित करें

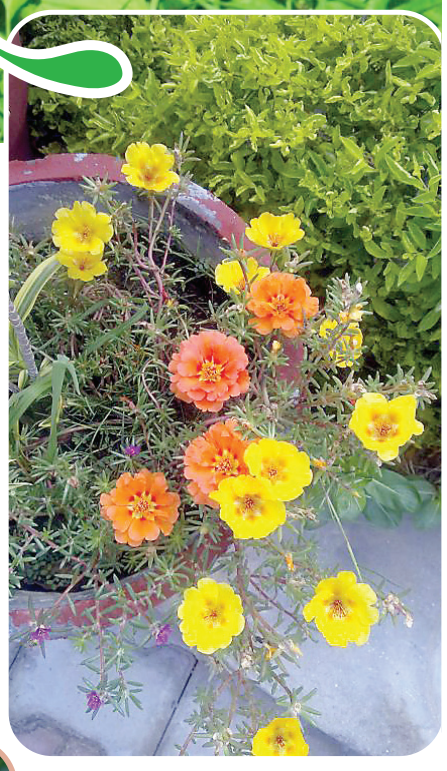

सड़क एवं मार्ग

- फार्म हाउस (कार्यालय, भंडार, निवास) के लिए स्थल
- सिंचाई पद्धति के लिये पम्प हाउस, नलकूप, कुआं, फार्म पॉंड का स्थान निर्धारित करें । आजकल ड्रिप एवं फव्वारा सिंचाई प्रचलित है । अत : उसके रेखाकंन के लिये स्थल निर्धारित करें ।
- जल निकास हेतु नाली आदि निर्माण हेतु स्थल
- पौधों को लगाने का स्थल
- फार्म पर कम्पोस्ट, नाडेप, केंचुआ खाद आदि का स्थल
- बगीचे के लिये स्वयं की रोपणी हेतु भी स्थल निर्धारित करें ।
- नवीन बगीचे के लिये प्रारंभिक तैयारियां - स्थल निर्धारण के पश्चात भूमि की सप्लाई, सर्वेक्षण, मिट्टी परीक्षण, समतलीकरण, मिट्टी की जुताई, बगीचे के चारों ओर बागड़-तार, पत्थर की दीवार, वायु अवरोध लगाएं.

फल पौध रोपण

फल पौध रोपण की प्रचलित पद्धतियां निम्न प्रकार की है

वर्गाकार पद्धति - वृक्ष की आवश्यकता के अनुसार वर्ग का आकार रखा जाता है । इस पद्धति में पौधे वर्ग के कोने पर लगाए जाते हैं ।

आयताकार- इस पद्धति में कतार से कतार की दूरी तथा पौधों की दूरी निर्धारित की जाती है ॥

त्रिभुजाकार या षटभुजाकार पद्धति ।

पंचवृक्षीया गौपूरक पद्धति- यह वर्गाकार की परिवर्तित पद्धति है इसके वर्ग के मध्य से एक और पौधा बनाया जाता है ।

आजकल संकर प्रजातियां आम में विकसित की गयी है उन्हें कम दूरी पर बनाया जाता । इसके अतिरिक्त हाईडेन्सिटी पद्धति से रोपण ऊंचाई के आधार पर किया जाता है ।

कंटूर के आधार पर रोपण - ऊंची-नीची एवं ढाल भूमि में समोच्च (कन्टूर) के आधार पर रोपण किया जाता है ।

पौधों की दूरी निर्धारित करना एवं वृक्षों की वृद्धि को ध्यान में रखकर पौध रोपण के लिये गड्ढों का खोदना - यह एक महत्वपूर्ण कार्य है । भूमि में मिट्टी की गहराई को ध्यान में रखते हुए फल चयन करें तथा उसकी भावी वृद्धि एवं विकास को ध्यान में रखते हुए रोपण के लिए गड्ढे वर्गाकार पद्धति से या मिट्टी आकार द्वारा खोदें ।

रोपण के लिये पौधों का चयन

- पौधे जो वानस्पतिक तरीके या टिशू कल्चर अथवा बीज से तैयार हो उनकी पूरी विश्वसनीयता की जानकारी प्राप्त करके ही लें । उनकी पे डिग्री ज्ञात कर लें. जब तक शासकीय/ पंजीकृत रोपणी से ही पौधे लें तथा पौधों पर टैग लगा हो ।
- प्रत्येक पौधे को देखें कि उसकी जूटी जिसमें पौधों की जड़ पंकी हो वह सही हो । ग्राफ्ट की जड़े सायन एवं रूट स्टाक की मोटाई बराबर हो तथा सही तरीके से जुड़ी हों ।
- पौधे की बीमारी आदि से ग्रसित न हों । उनकी आयु आदि ज्ञात कर लें ।
- जो पौधे चाहे ग्राफ्ट हो, गूटी कलम आदि जैसे भी हो उन्हें भली-भांति परख लें तथा एक सप्ताह तक क्यारी में उतार कर रखें । जो पौधे सही तरह के स्वस्थ हों उन्हें ही लगायें ।
- पौधे लगाते समय पौधा गड्ढे के बीज में सीधा लगाया जाये । जड़ को दोनों हाथों से ढीला बांध भली-भांति गड्ढे की मिट्टी के साथ दवाएं जिससे वह भली-भांति स्थिर हो जावे सिंचाई करें । रोपण क्रिया जुलाई, अगस्त, सितम्बर या फरवरी मार्च में लगायें । उसकी सुरक्षा करें तथा कुछ पौधे पृथक रखें जिससे मृदा पौधों के स्थान पर रोपण करें ।

फल देने वाले बगीचों का प्रबंधन

जो पौधे फलन स्थिति या किशोर अवस्था में हो उनकी देखभाल एवं वांछित औद्योगिक क्रियाएं क्षेत्र के लिये अनुशंसित विधि से करें । जैसे- कांटछांट का कृन्तन क्रिया कृषि क्रियाएं अनुशंसित खाद एवं उर्वरक निर्धारित मात्रा में डालें, तने को पानी के सम्पर्क में सीधे न आने दें इसलिये उनकी आयु के अनुसार मिट्टी जड़ के ऊपर लगाये, समय पर सिंचाई, निंदाई तथा पौध संरक्षण उपाय करें । फलों की तुड़ाई करें । आम के वृक्षों पर माम फोर्मेशन हो उसे काटकर पृथक करें ।

जिन पौधों के तने कमजोर हो उन्हें सहारा दें । पौधे के मूल वृन्द से निकलने वाली शाखाओं को काट दें । पौधोंको सही आकार देने के लिए कटाई, छंटाई जरूरी है ।

रामतिल सुरक्षित फसल

भारत में इस फसल की खेती 5.42 लाख हेक्टेयर में प्रतिवर्ष की जाती है । इसकी औसत उत्पादन क्षमता 299 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर के हिसाब से कुल उत्पादन 1.62 लाख टन प्रतिवर्ष होता है । अविभाजित मध्यप्रदेश राज्य रामतिल के क्षेत्राच्छादन एवं उत्पादन की दृष्टि से अग्रणी राज्य था । डिण्डोरी जिले में लगभग 35 हजार हेक्टेयर में इसकी खेती की जाती है जिसका औसत उत्पादन 200 कि.ग्राम प्रति हेक्टेयर है । यदि फसल को अच्छे प्रबंधन के साथ लगाया जाए तो उपज 5 से 6 क्विंटल प्रति हेक्टेयर तक प्राप्त की जाती सकती है । अनुकूल उत्पादन अवस्थाओं में इसका उत्पादन 6 से 8 क्विंटल प्रति हेक्टेयर तक भी प्राप्त किया जा सकता है । इस प्रकार के अच्छे उत्पादन प्राप्त करने के लिये यह आवश्यक है कि कृषक उन्नतशील किस्मों का प्रयोग करें । मौसम के अनुसार उपयुक्त समय पर बुआई करें ।

भूमि का चुनाव- यह फसल गहरी काली मिट्टी से भुरभुरी, रेतीली भूमियों जिसमें जल निकास की उत्तम क्षमता हो, में सफलतापूर्वक लगाई जा सकती है । अच्छी गहराई वाली मिट्टी जिसका पी.एच. मान 5.5 से 6.5 के बीच हो इस फसल के लिए अति उत्तम मिट्टी होती है ।

हल्की क्षारीय एवं लवणीय भूमि में भी इसकी खेती सफलतापूर्वक की जा सकती है । परंतु भारी काली कपास वाली भूमि एवं पानी रुकने वाली भूमियां इसके खेती हेतु उपयुक्त नहीं है ।

फसल पद्धति - रामतिल फसल की बुआई सामान्यत : मध्य अगस्त में की जाती है । अत : इसके पूर्व एक फसल उड़द, बरबटी या फ्रेंचबीन की ले सकते हैं । डिंडोरी जिले में इस फसल को कुटकी की फसल लेने के बाद भी लेने की संभावना है । परंतु इसके लिये यह आवश्यक होगा कि पहली फसल की बुआई मई के अंत में या जून के प्रथम सप्ताह तक पूरी हो जानी चाहिए, क्योंकि देर से बुआई करने पर रामतिल की बुआई में देरी होगी जिसका उत्पादकता पर विपरीत प्रभाव पड़ेगा ।

उन्नत किस्में - अच्छी उपज लेने के लिए उपयुक्त किस्म का चयन किया जाना बहुत महत्वपूर्ण होता है । भूमि एवं बोने के समय के अनुसार उपयुक्त किस्म का चुनाव करना चाहिए । अखिल भारतीय समन्वित तिल एवं रामतिल अनुसंधान परियोजना के द्वारा अनेक उन्नत किस्मों की अनुशंसा की गई है । डिंडोरी क्षेत्र के लिये अनुशंसित किस्म के प्रमुख गुण एवं लक्षण तालिका में प्रस्तुत हैं ।

बीज दर - शुद्ध फसल हेतु 5 से 6 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर बीज की आवश्यकता होती है ।

बीजोपचार - फसल को बीज एवं मिट्टी जनित रोग के संभावित आक्रमण को टालने के लिए बीजोपचार आवश्यक है । थायरम या केप्टान नामक दवाई की 3 ग्राम मात्रा से एक किलोग्राम बीज को उपचारित करना चाहिए । बुआई के 12 घंटे पूर्व फास्फोरस घोलक जीवाणु (पी.एस.बी.) कल्चर 5 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज की दर उपचारित कर छायादार स्थान में सुखाना चाहिए, इससे उत्पादन में वृद्धि होती है ।

बुआई विधि - सामान्यत : रामतिल की बुआई छिड़काव पद्धति से की जाती है इससे प्रति क्षेत्र में वांछित पौध संख्या नहीं मिल पाती है । इसकी अच्छी उपज प्राप्त करने के लिए कतार से बुआई करना चाहिए एवं एक कतार से दूसरे कतार के बीच में 30 से.मी. (1 फीट) का अंतर होना चाहिए । बुआई के पूर्व एक भाग बीज को 20 भाग रेत या भुरभुरी गोबर खाद या राख के साथ मिलाकर बुआई करना चाहिए । इससे प्रति इकाई क्षेत्र में वांछित पौधा संख्या प्राप्त होगी एवं पौध छंटाई का कार्य नहीं करना पड़ता ।

उर्वरक एवं खाद - रसायनिक उर्वरकों में नत्रजन 10 किलोग्राम, स्फुर 20 किलोग्राम एवं पोटाश 10 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर बुआई के समय डालना चाहिए । बुआई के 30 से 35 दिन बाद 10 किलोग्राम नत्रजन प्रति हेक्टेयर की मात्रा भूमि में नमी उपलब्ध पर डालने से उत्पादन में वृद्धि होती है ।

नींदा नियंत्रण - रामतिल फसल में पहली निंदाई - गुड़ाई बुआई के 15-20 दिन बाद करना चाहिए । यदि आवश्यक है तो दूसरी निंदाई -गुड़ाई बुआई के लगभग 35 - 40 दिन बाद करें । यह कार्य खड़ी फसल में नत्रजन के छिड़काव से पहले कर लेना चाहिए । रामतिल की फसल से डिण्डोरी क्षेत्र में अमरबेल की समस्या विकराल रूप लेती जा रही है । जिसके कारण कृषक बंधु इसकी खेती को छोड़ रहे है परंतु अनुसंधान के आधार पर रसायनिक दवा के उपचार से अमरबेल का समूल नाश किया जा सकता है । इसके लिए नींदानाशक दवा पेन्डीमिथालीन 0.75 से 1.5 किलो सक्रिय तत्व प्रति हेक्टेयर की दर से 500 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करना चाहिए अथवा लासो दानेदार 20 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से छिड़काव करना चाहिए ।

कटाई एवं गहाई - रामतिल की फसल किस्मानुसार 90 से 120 दिनों के बीच पककर तैयार हो जाती है । जब पौधे की पत्तियां सूखकर गिरने लगे एवं फली का शीर्ष भाग भूरे एवं काले रंग का दिखने लगे तब फसल की कटाई करें । कटाई में देर करने पर बीज झड़ने का डर रहता है । कटाई के उपरांत पौधों को बंडल में बांधकर खेत में खुली धूप में एक सप्ताह तक सुखाकर गहाई करनी चाहिए ।

आय - व्यय -परम्परागत तरीके से फसल लगाने से उपज 50 से 200 किलो ग्राम प्रति हेक्टेयर तक प्राप्त होती है । जिससे कुल आमदनी 2250 से 9000 रु. होती है । उन्नत काश्त तकनीक अपनाकर खेती करने से औसत उपज 500 से 600 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर तक प्राप्त होगी जिससे कुल आय 20,000 से 25000 रु. तक प्राप्त होगी ।

एलन मस्क की टेस्ला पर नस्लीय भेदभाव का मुकदमा दर्ज

सैन फ्रांसिस्को ।एलन मस्क की कंपनी टेस्ला पर नस्लीय भेदभाव का मुकदमा दर्ज हुआ है। जानकारी के अनुसार अमेरिकी समान रोजगार अवसर आयोग (ईईओसी) ने कथित तौर पर अपने अश्वेत कर्मचारियों का नस्लीय उत्पीड़न करने पर मुकदमा दायर किया है। ईईओसी के मुकदमे के अनुसार 2015 से अब तक टेस्ला के फ़्रेमोंट व कैलिफ़ोर्निया विनिर्माण सुविधाओं में अश्वेत कर्मचारियों को नियमित रूप से नस्लीय दुर्व्यवहार का सामना करना पड़ा है। उनके खिलाफ अपशब्दों का खुले तौर पर उपयोग किया गया। ईईओसी ने कहा कि अश्वेत कर्मचारियों को नियमित रूप से डेस्क, बाथरूम, लिफ्ट के भीतर आदि स्थानों पर अपशब्दों का सामना करना पड़ा है। ईईओसी की जांच में यह भी पाया गया कि जिन लोगों ने नस्लीय शत्रुता पर आपत्ति जताई, उन्हें विभिन्न प्रकार के प्रतिशोध का सामना करना पड़ा, जिसमें बर्खास्तगी, नौकरी के कर्तव्यों में बदलाव, स्थानांतरण और अन्य प्रतिकूल रोजगार कार्रवाइयां शामिल हैं। ईईओसी अध्यक्ष चार्लोट ए बरोज़ ने कहा ?कि प्रत्येक कर्मचारी अपने नागरिक अधिकारों का सम्मान पाने का हकदार है, और किसी भी कर्मचारी को हमारी जांच में सामने आई शर्मनाक नस्लीय कट्टरता को सहन नहीं करना चाहिए।

राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के हत्यारे पर रखा पांच मिलियन डॉलर का इनाम

वाशिंगटन । अमेरिका ने इक्वाडोर के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार फर्नांडो विलाविसेंशियो के हत्यारे पर पांच लाख डॉलर का इनाम रखा है। अमेरिका के विदेश मंत्री ने इस घटना को अंजाम देने वाले मास्टरमाइंड की जानकारी देने वाले को 5 मिलियन डॉलर का इनाम देने की घोषणा की। ब्लिंकन के हवाले से कहा गया, कि आज, मैं इक्वाडोर के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार फर्नांडो विलाविसेंशियो की हत्या के पीछे के सह-षड्यंत्रकारियों और मास्टरमाइंडों की जानकारी देने के लिए 5 मिलियन डॉलर तक के इनाम की घोषणा कर रहा हूं। यह जानकारी विदेश विभाग द्वारा जारी एक विज्ञप्ति में दी गई है। राज्य सचिव ने विलाविसेंशियो की हत्या के लिए जिम्मेदार ट्रांसनेशनल संगठित अपराध समूह में प्रमुख नेतृत्व की स्थिति रखने वाले किसी भी व्यक्ति की पहचान या स्थान के बारे में जानकारी देने के लिए एक मिलियन डॉलर तक के दूसरे इनाम की पेशकश की भी घोषणा की। 2023 के चुनावों में मोविमिएंटो कॉन्स्टुये पार्टी के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार विलाविसेंशियो पर उस समय हमला किया गया, जब वह 9 अगस्त को राजधानी क्विटो में एक कार्यक्रम से जा रहे थे। हालांकि इक्वाडोर की राष्ट्रीय पुलिस ने हत्या की साजिश के तहत छह कोलंबियाई नागरिकों को गिरफ्तार किया है, जिनके बारे में माना जाता है कि वे एक संगठित अपराध समूह का हिस्सा हैं। ब्लिंकन के हवाले से कहा गया कि एफबीआई जांच व हत्या में शामिल अन्य लोगों की पहचान करना जारी रखेगी। अमेरिका इक्वाडोर के लोगों का समर्थन करना जारी रखेगा और उन व्यक्तियों को न्याय के कटघरे में लाने के लिए काम करेगा, जो अपराध के माध्यम से लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को कमजोर करना चाहते हैं।

दुनिया को अब मिला 375 वर्षों से गायब 8वां महाद्वीप

लंदन । दुनिया को अब आठवां महाद्वीप भी मिल गया है। लंबी खोज के बाद इसे वैज्ञानिकों ने जीलैंडिया नाम दिया है। गौरतलब है कि अब तक हम दुनिया के 7 महाद्वीपों के बारे में जानते थे, लेकिन वैज्ञानिकों ने अब 8वां महाद्वीप भी खोज निकाला है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, यह 375 वर्षों से लुप्त था। इस महाद्वीप का नाम जीलैंडिया रखा गया है। यहां इंसानों का जाना मुश्किल है, क्योंकि नया महाद्वीप 94 प्रतिशत पानी के भीतर है। इसमें न्यूजीलैंड के समान ही कुछ मुट्ठी भर द्वीप हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक जीलैंडिया 1.89 मिलियन वर्ग मील (4.9 मिलियन वर्ग किमी) का एक विशाल महाद्वीप है, यह मेडागास्कर से लगभग छह गुना बड़ा है। वैज्ञानिकों की टीम ने बताया कि वास्तव में 8 महाद्वीप हैं। वैज्ञानिकों का कहना है कि जीलैंडिया का अध्ययन करना हमेशा से कठिन रहा है। वैज्ञानिक अब समुद्र तल से लाए गए चट्टानों और तलछट के नमूनों के संग्रह का अध्ययन कर रहे हैं, जिनमें से अधिकांश ड्रिलिंग स्थलों से आए हैं। यहां की सैटेलाइट इमेज से पता चलता है कि जीलैंडिया ऑस्ट्रेलिया के आकार का है। लगभग 23 मिलियन साल पहले, जीलैंडिया का भूभाग पूरी तरह से जलमग्न हो गया होगा। आज, अधिकांश भूभाग (94 प्रतिशत) प्रशांत महासागर के नीचे डूबा हुआ है। ?रिपोर्ट के अनुसार चट्टान के नमूनों के अध्ययन से पश्चिम अंटार्कटिका में भूगर्भीय पैटर्न का पता चला है। न्यूजीलैंड, जीलैंडिया का सबसे बड़ा हिस्सा है जो समुद्र तल से ऊपर है, इसके बाद न्यू कैलेडोनिया है। कहा जाता है कि इसकी खोज सबसे पहले 1642 में डच व्यापारी और नाविक एबेल तस्मान ने की थी। हालांकि 2017 में वैज्ञानिकों ने इसके अस्तित्व की पुष्टि कर दी थी।

पाकिस्तान के बलूचिस्तान में मस्जिद के पास आत्मघाती हमलावर ने खुद को उड़ाया, 60 से ज्यादा मरे, सैंकड़ों लोग घायल

इस्लामाबाद ।ईद-मिलाद उन नबी के मौके पर पाकिस्तान बम धमाकों से दहल उठा। बम धमाकों में बड़ी संख्या में लोग मारे गये और सैंकड़ों घायल हो गये। हम आपको बता दें कि पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान प्रांत में एक मस्जिद के समीप शुक्रवार को एक आत्मघाती हमलावर ने खुद को विस्फोट से उड़ा लिया। दरअसल पैगम्बर मोहम्मद का जन्मदिन 'ईद ए मिलाद उन नबी' मनाने के लिए मस्जिद के बाहर एक रैली के वास्ते भारी संख्या में लोग इकट्ठा हुए थे और उसी दौरान यह विस्फोट हुआ। इसके कुछ घंटों बाद खैबर पख्तूनख्वा के हांगू शहर में एक अन्य मस्जिद में भी विस्फोट में दर्जनों लोग मारे गये और कुछ घायल हो गये। बताया जा रहा है कि विस्फोट के बाद हर जगह शव ही शव बिखरे हुए थे और घायलों को अस्पतालों में ले जाते वक्त काफी मशक्कत का सामना करना पड़ा। बताया जा रहा है कि पहला विस्फोट बलूचिस्तान में मस्तुंग जिले के अल फलाह रोड पर मदीना मस्जिद के समीप हुआ। बताया जा रहा है कि इस आत्मघाती विस्फोट में मारे गए लोगों में रैली के दौरान ड्यूटी पर तैनात मस्तुंग के पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) नवाज गश्कोरी भी शामिल हैं। मस्जिद के समीप विस्फोट उस वक्त हुआ जब लोग ईद-मिलाद उन नबी के मौके पर इकट्ठा हुए थे। हांगू शहर पुलिस थाने के प्रभारी मोहम्मद जावेद लहरी ने बताया कि यह एक ''आत्मघाती विस्फोट'' था और हमलावर ने पुलिस अधिकारी की गाड़ी के बगल में खुद को बम से उड़ा लिया। यह विस्फोट ऐसे वक्त में किया गया है जब एक दिन पहले आतंकवाद रोधी विभाग (सीटीडी) ने मस्तुंग जिले में इस्लामिक स्टेट (आईएस) के एक अहम कमांडर को मार गिराया था। मोहम्मद जावेद लहरी ने बताया कि घायलों को चिकित्सा केंद्रों में भर्ती कराया जा रहा है जबकि अस्पतालों में आपात स्थिति लागू कर दी गयी है। मस्तुंग के जिला स्वास्थ्य अधिकारी राशिद मुहम्मद सईद ने बताया कि विस्फोट में 60 लोगों की मौत हो गयी तथा 50 से अधिक लोग घायल हो गए। कुछ घायलों की हालत गंभीर है। अधिकारियों ने चिंता जतायी कि मृतकों की संख्या बढ़ सकती है।

अमेरिका : राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसी कृत्रिम मेधा सुरक्षा केंद्र शुरू कर रही है

वाशिंगटन । राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसी कृत्रिम मेधा (एआई) सुरक्षा केंद्र शुरू करने जा रही है। अमेरिकी रक्षा एवं खुफिया प्रणालियों में एआई क्षमताओं को तेजी से हासिल, विकसित और एकीकृत किया जा रहा है। राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसी के निवर्तमान निदेशक ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। सेना के जनरल पॉल नाकासोन ने कहा कि एआई सुरक्षा केंद्र को एनएसए के साइबर सुरक्षा सहयोग केंद्र में शामिल किया जाएगा, जहां यह चीन और रूस के खतरों के खिलाफ अमेरिकी रक्षा-औद्योगिक आधार को मजबूत करने के लिए निजी उद्योग और अंतरराष्ट्रीय भागीदारों के साथ काम करता है। नाकासोन ने नेशनल प्रेस क्लब में विशेष रूप से बीजिंग से खतरे पर जोर देते हुए कहा, ''हम आज अमेरिका में एआई में बढ़त बनाए हुए हैं। उस एआई लाभ को हल्के में नहीं लिया जाना चाहिए।'' यह पूछे जाने पर कि क्या अमेरिका ने रूस या चीन को 2024 के अमेरिकी राष्ट्रपति चुनावों को प्रभावित करने की कोशिश करने के लिए डीपफेक जैसी जेनरेटिव एआई प्रौद्योगिकियों का उपयोग करते पाया है, इस पर नाकासोन ने कहा, ''हमने अब तक ऐसा नहीं देखा है।''

विश्व कप को बना देंगे टेरर कप,

अब खालिस्तानी पन्नू ने दी आतंकी हमले की धमकी

ओटावा (एजेंसी)। निर्धारित भारत-पाकिस्तान आईसीसी विश्व कप 2023 मैच से पहले धमकी जारी करने और दुश्मनी को बढ़ावा देने के आरोप में कनाडा स्थित नामित व्यक्तिगत आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नून के खिलाफ प्रथम सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) दर्ज की गई थी। समाचार एजेंसी एएनआई ने अहमदाबाद के साइबर क्राइम डीसीपी अजीत राजियन के हवाले से कहा कि यह घटनाक्रम विभिन्न सोशल मीडिया हैंडल पर पहले से रिकॉर्ड किए गए धमकी भरे संदेशों को भेजे जाने के बाद आया है। कुछ स्थानीय लोगों ने भी कई धमकी भरे कॉल आने की शिकायत करते हुए अहमदाबाद पुलिस से संपर्क किया था। विवरण के अनुसार, अपने पहले से रिकॉर्ड किए गए धमकी भरे संदेश में प्रतिबंधित संगठन सिख फॉर जस्टिस (एसएफजे) का संस्थापक गुरपतवंत सिंह पन्नून ने कहा कि यह विश्व कप क्रिकेट की शुरुआत नहीं बल्कि विश्व आतंक कप की शुरुआत होगी।

संदेश में आगे कहा गया कि हम शहीद निजर की हत्या का बदला लेने जा रहे हैं। पन्नून 2019 से राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) के रडार पर है, जब आतंकवाद विरोधी संघीय एजेंसी ने आतंकवादी के खिलाफ अपना

पहला मामला दर्ज किया था। जो आतंकवादी कृत्यों और गतिविधियों को बढ़ावा देने और संचालित करने और भय फैलाने में प्रमुख भूमिका निभा रहा है। अपनी धमकियों और डराने-धमकाने की रणनीति के माध्यम से पंजाब और देश में अन्य जगहों पर आतंक फैलाया। 3 फरवरी, 2021 को विशेष एनआईए अदालत द्वारा पन्नू के खिलाफ गिरफ्तारी के गैर-जमानती वारंट जारी किए गए थे और उन्हें पिछले साल 29 नवंबर को घोषित अपराधी (पीओ) घोषित किया गया था। हाल के दिनों में, पन्नुन सार्वजनिक मंचों पर वरिष्ठ भारतीय राजनयिकों और सरकारी पदाधिकारियों को ज़बरदस्त धमकियाँ जारी करने के लिए चर्चा में रहा है।

लाहौर में मनाई गई भगत सिंह की 116वीं जयंती, श्रद्धांजलि की अर्पित

एक गैर-लाभकारी फाउंडेशन द्वारा बृहस्पतिवार को यहां भगत सिंह की 116वीं जयंती मनाई गई और विभाजन-पूर्व के दौर के क्रांतिकारी को पाकिस्तान का सर्वोच्च वीरता पुरस्कार दिए जाने की मांग की गई। भगत सिंह मेमोरियल फाउंडेशन ने लाहौर उच्च न्यायालय (एलएचसी) के परिसर में स्वतंत्रता सेनानी की जयंती मनाई और अदालत के उद्यान में इस मौके पर केक भी काटा गया। समारोह में फाउंडेशन के सदस्यों और अन्य वकीलों ने भाग लिया। इस अवसर पर भगत सिंह मेमोरियल फाउंडेशन के पाकिस्तान प्रमुख, एडवोकेट इम्तियाज राशिद कुरेशी ने स्वतंत्रता संग्राम के नायक को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। भगत सिंह को 1931 में अंग्रेजों द्वारा उनके साथियों राजगुरु और सुखदेव के साथ फांसी दे दी गई थी। फाउंडेशन ने सिंह के लिए देश के सर्वोच्च वीरता पुरस्कार की मांग की। इसमें तीन स्वतंत्रता सेनानियों की न्यायिक हत्या के लिए ब्रिटेन के महाराजा चार्ल्स तृतीय से माफी और उनके परिवारों को मुआवजा देने की भी मांग की गई। इसने पाकिस्तानी सरकार से लाहौर के शादमान चौक का नाम भगत सिंह के नाम पर रखने की भी मांग की, क्योंकि तीनों को वहीं फांसी दी गई थी। फाउंडेशन ने कहा कि तीनों क्रांतिकारियों और उनकी वीरता के कृत्य को भी स्कूली पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया जाना चाहिए। भगत सिंह को 1931 में 23 साल की उम्र में अंग्रेजों ने फांसी दे दी थी।

भारत से कनाडा रखना चाहता है घनिष्ठ संबंध: जस्टिन ट्रूडो

-ट्रूडो की अकड पडी ढीली, बोले- प्रभावशाली देश है भारत

मॉन्ट्रियल (एजेंसी)। खालीस्तानी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के बाद से चल रही तनातनी के बीच कनाडा के राष्ट्रपति जस्टिन ट्रूडो ने कहा है कि कनाडा अभी भी भारत के साथ घनिष्ठ संबंध बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। दुनिया भर में भारत के बढ़ते असर की ओर इशारा करते हुए ट्रूडो ने कहा कि यह 'बेहद महत्वपूर्ण' है कि कनाडा और उसके सहयोगी भारत के साथ जुड़े रहें। कल मॉन्ट्रियल में एक प्रेस कांफ्रेंस में ट्रूडो ने कहा कि उन्हें लगता है कि यह बेहद जरूरी है कि कनाडा और उसके सहयोगी विश्व मंच पर भारत के बढ़ते महत्व को देखते हुए उसके साथ रचनात्मक और गंभीरता से जुड़े रहें।

जस्टिन ट्रूडो ने कहा कि 'भारत एक बढ़ती आर्थिक शक्ति और महत्वपूर्ण भू-राजनीतिक खिलाड़ी है। जैसा कि हमने पिछले साल अपनी इंडो-पैसिफिक रणनीति पेश की थी, हम भारत के साथ घनिष्ठ संबंध बनाने को लेकर बहुत गंभीर हैं। इसके साथ ही जाहिर तौर पर कानून के शासन वाले देश के रूप में हम इस बात पर जोर देते हैं कि भारत को यह सुनिश्चित करने के लिए कनाडा के साथ काम करने की जरूरत है कि हमें इस मामले के पूरे तथ्य मिलें।'

ट्रूडो ने यह भी कहा कि उन्हें अमेरिका से भरोसा मिला है कि विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन भारतीय

विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ बैठक के दौरान निज्जर की हत्या में भारत की भूमिका के बारे में सार्वजनिक रूप से लगाए गए आरोपों को उठाएंगे।जस्टिन ट्रूडो ने कहा कि 'अमेरिका ने भारत सरकार से बात करने में हमारा साथ दिया है। यह जरूरी है कि वे उन विश्वसनीय आरोपों पर कार्रवाई में शामिल हों कि भारत सरकार के एजेंटों ने कनाडाई धरती पर एक कनाडाई नागरिक की हत्या कर दी।' ट्रूडो ने कहा कि 'यह कुछ ऐसा है जिसे सभी लोकतांत्रिक देशों, कानून के शासन का सम्मान करने वाले सभी देशों को गंभीरता से लेने की जरूरत है।

हम भारत सरकार के प्रति अपने नजरिये सहित अपने सभी साझेदारों के साथ कानून के शासन में विचारशील, जिम्मेदार तरीके से आगे बढ़ रहे हैं।' उन्होंने यह भी कहा कि उन्होंने जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान उन चिंताओं को सीधे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तक पहुंचाया था। भारत के शीर्ष खुफिया और सुरक्षा अधिकारियों को कनाडा की गहरी चिंताओं के बारे में बताया गया था। ट्रूडो ने तब भारत सरकार से इस मामले की तह तक जाने के लिए कनाडा के साथ सहयोग करने का आग्रह किया।

हालांकि भारत ने इन आरोपों को 'बेतुका' और 'प्रेरित' बताते हुए सिरे से खारिज कर दिया है।गौरतलब है कि कनाडा के पीएम जस्टिन ट्रूडो ने 18 सितंबर को कनाडा के हाउस ऑफ कॉमन्स को बताया कि कनाडाई सुरक्षा एजेंसियां भारत सरकार के एजेंटों और निज्जर की हत्या के बीच 'संभावित संबंध के विश्वसनीय आरोपों' को सक्रिय रूप से आगे बढ़ा रही हैं।

भारत-कनाडा विवाद पर दोनों देशों के विदेश मंत्रियों ने साधी चुप्पी

-अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन से एस.जयशंकर ने की अनेक मुद्दों पर चर्चा

वाशिंगटन (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन से मुलाकात की है। इस दौरान दोनों ने अनेक मुद्दो पर चर्चा की लेकिन दोनों पक्ष भारत और कनाडा के बीच जारी राजनयिक संकट से प्रत्यक्ष अथवा परोक्ष असर पर चुप्पी साधे रहे। अमेरिकी विदेश मंत्री ने इस संकट के संबंध में पूछे गए एक प्रश्न का उत्तर देने से इनकार कर दिया। गौरतलब है कि बताचीत में दोनों नेता भारत और अमेरिका के बीच रक्षा, अंतरिक्ष और स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में सहयोग जारी रखने पर सहमत हुए। जयशंकर पांच दिन की वाशिंगटन यात्रा पर हैं। हाल में भारत में हुए जी-20 शिखर सम्मेलन के बाद दोनों देशों के बीच यह पहली उच्च स्तरीय बातचीत है। विदेश मंत्री ने एस जयशंकर ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि अमेरिका के विदेश मंत्री ब्लिंकन से विदेश मंत्रालय में मुलाकात करके अच्छा लगा। कई मुद्दों पर चर्चा हुई, प्रधानमंत्री की जून में हुई यात्रा पर बनी सहमतियों पर चर्चा की, वैश्विक विकास पर भी विचार-विमर्श हुआ। उन्होंने यह भी कहा कि जल्द ही होने वाली 'टू प्लस टू' बैठक के संबंध में रूपरेखा तैयार की।

उधर अमेरिकी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने कहा कि दोनों शीर्ष राजनयिकों ने कई मुद्दों पर चर्चा की, जिसमें भारत की जी20 की अध्यक्षता के दौरान सामने आए मुख्य नतीजे, भारत-पश्चिम एशिया-यूरोप आर्थिक गलियारे का निर्माण और इसकी पारदर्शी, टिकाऊ एवं उच्च-मानक बुनियादी ढांचा निवेश उत्पन्न करने की क्षमता से जुड़ी बातचीत शामिल है। विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा कि भारत 'टू प्लस टू' वार्ता के पांचवें संस्करण की मेजबानी करेगा। हालांकि, उन्होंने इन बैठकों की तारीख के बारे में कोई जानकारी नहीं दी। अनुमान है कि नवंबर की शुरुआत में ये बैठकें आयोजित की जाएंगी। वार्ता में अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल की अगुवाई ब्लिंकन और रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन करेंगे। वहीं, भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व जयशंकर और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह करेंगे।

पुतिन के फेवरेट ट्रोशेव बने वैगनर ग्रुप के नए चीफ

कीव (एजेंसी)। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को शुक्रवार को वैगनर भाड़े के समूह के सबसे वरिष्ठ पूर्व कमांडरों में से एक से मुलाकात करते हुए और यूक्रेन युद्ध में स्वयंसेवक इकाइयों का सर्वोत्तम उपयोग करने के बारे में चर्चा करते हुए दिखाया गया। बैठक में क्रेमलिन के यह दिखाने के प्रयास को रेखांकित किया गया कि राज्य ने अब अपने बॉस येवगेनी प्रिगोझिन द्वारा जून में असफल विद्रोह के बाद भाड़े के समूह पर नियंत्रण हासिल कर लिया है, जो अगस्त में एक विमान दुर्घटना में अन्य वरिष्ठ कमांडरों के साथ मारा गया था। पुतिन को राज्य टेलीविजन पर क्रेमलिन में आंद्रेई ट्रोशेव के साथ बैठक करते हुए दिखाया गया था, जो पूर्व वैगनर कमांडर थे।

क्रेमलिन ने कहा कि बैठक देर रात हुई। उप रक्षा मंत्री यूनुस-बेक येवकुरोव, जिन्होंने हाल के महीनों में कई देशों की यात्रा की है, जहां वैगनर के भाड़े के सैनिकों ने काम किया है। ट्रोशेव को संबोधित करते हुए पुतिन ने कहा कि उन्होंने इस बारे में बात की थी कि कैसे ÷स्वयंसेवी इकाइयाँ विशेष सैन्य अभियान के क्षेत्र में सबसे ऊपर, विभिन्न युद्ध कार्यों को अंजाम दे सकती हैं। पुतिन ने कहा कि आप खुद एक साल से अधिक समय से ऐसी इकाई में लड़ रहे हैं। आप जानते हैं कि यह क्या है, यह कैसे किया जाता है, आप उन मुद्दों के बारे में जानते हैं जिन्हें पहले से हल करने की आवश्यकता है ताकि युद्ध कार्य सर्वोत्तम और सबसे सफल तरीके से हो। पुतिन ने यह भी कहा कि वह लड़ाई में शामिल लोगों के लिए सामाजिक समर्थन के बारे में बात करना चाहते हैं। ट्रोशेव को हाथ में पेंसिल लिए आगे झुककर सिर हिलाते हुए पुतिन की बात सुनते हुए दिखाया गया। उनकी टिप्पणियाँ नहीं दिखायी गयीं। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने आरआईए समाचार एजेंसी को बताया कि ट्रोशेव अब रक्षा मंत्रालय में काम करते हैं। 23 जून को प्रिगोझिन के असफल विद्रोह और 23 अगस्त को उनकी मृत्यु के बाद से वैगनर का भाग्य स्पष्ट नहीं है, जिसके बाद पुतिन ने वैगनर सेनानियों को रूसी राज्य के प्रति निष्ठा की शपथ पर हस्ताक्षर करने का आदेश दिया, जिसका प्रिगोझिन और उनके कई लोगों ने विरोध किया था।

ट्रंप का सत्ता में आना देश के लोकतंत्र के लिए होगा खतरनाक,

बाइडेन बोले- चरमपंथियों द्वारा चलाई जा रही रिपब्लिकन पार्टी

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर निशाना साधते हुए कहा कि वो और उनके सहयोही देश के लोकतंत्र के लिए खतरा है। उन्होंने आरोप लगाया कि ट्रंप देश के मूल्यों को बरकरार रखने के बजाय व्यक्तिगत सत्ता में ज्यादा विश्वास रखते हैं। व्हाइट हाउस में अपने पूर्ववर्ती डोनाल्ड ट्रम्प की संभावित वापसी के बारे में नई चेतावनी जारी करते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने देश के लोकतंत्र के लिए संभावित खतरों का हवाला देते हुए कहा कि अमेरिका में कुछ खतरनाक हो रहा है। यह कहते हुए कि लोकतंत्र तब मर जाता है जब लोग चुप रहते हैं और खड़े नहीं होते तो उन्होंने मतदाताओं से अमेरिकी संस्थानों के स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने का आग्रह किया।

बाइडेन ने कहा कि इसमें कोई संदेह नहीं है कि आज की रिपब्लिकन पार्टी एमएजीए रिपब्लिकन चरमपंथियों द्वारा संचालित और भयभीत है। उनका चरम एजेंडा, अगर लागू किया गया, तो हम जैसे अमेरिकी लोकतंत्र की संस्थाओं को मौलिक रूप से बदल देगा। बता दें कि ÷मेक अमेरिका ग्रेट अगेन÷ एक राजनीतिक नारा है जिसे डोनाल्ड ट्रम्प ने अपने 2016 के राष्ट्रपति अभियान के दौरान लोकप्रिय बनाया था।

जब गर्मियों में पूर्व राष्ट्रपति पर अभियोग और गिरफ़्तारियाँ बढ़ती रहीं तो अमेरिकी राष्ट्रपति अधिकतर चुप रहे। हालाँकि, जैसा कि रिपब्लिकन प्राइमरी में ट्रम्प की निषेधात्मक बढ़त अपरिवर्तित बनी हुई है और जैसा कि बाइडेन की खुद की स्थिति कम अनुमोदन में फंसी हुई है। राष्ट्रपति लोकतंत्र के लिए खतरे के रूप में अपने सबसे संभावित 2024 प्रतिद्वंद्वी पर अपने हमलों को तेज कर रहे हैं। ट्रम्प का कहना है कि संविधान ने उन्हें राष्ट्रपति के रूप में जो चाहें करने का अधिकार दिया है,÷ बिडेन ने अपने सबसे संभावित जीओपी चुनौतीकर्ता का नाम लेकर उल्लेख करते हुए कहा। ÷मैंने कभी राष्ट्रपतियों को मजाक में ऐसा कहते नहीं सुना।

दिल्ली में थे बाइडेन-सुनक, खालिस्तानी बना रहे थे ब्लास्ट का प्लान, भारत के जेम्स बॉन्ड ने ऐसे संभाला मोर्चा

नई दिल्ली (एजेंसी)। जिन खालिस्तानी आतंकियों के लिए कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने भारत से दुश्मनी मोल ली। उन्हीं खालिस्तानी आतंकवादियों ने जी20 शिखर सम्मेलन के दौरान धमाके की साजिश रची। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचने के लिए सिख फॉर जस्टिस से जुड़े खालिस्तानी आतंकी दिल्ली एयरपोर्ट और मेट्रो स्टेशन को निशाना बनाना चाहते थे। जी20 से ठीक पहले हुई मल्टी एजेंसी सेंटर की मीटिंग में साजिश का खुलासा हुआ और इस मीटिंग से जुड़े सूत्रों के मुताबिक 31 अगस्त को आतंकी संगठन एसएफजे से जुड़े एक सदस्य के भारतीय मोबाइल नंबर पर वॉयस मैसेज आया। ब्रिटेन से आए वॉयस मैसेज में खालिस्तानी आतंकी और सिख फॉर जस्टिस के सरगना गुरवंत सिंह पन्नू की आवाज भी थी।

इस वॉयस मैसेज में खालिस्तानी आतंकवादियों के जरिए दिल्ली में बॉम्ब ब्लास्ट की बात कही गई थी। ये बॉम्ब ब्लास्ट दिल्ली एयरपोर्ट और कई मेट्रो स्टेशन पर किए जाने थे। जिससे खालिस्तान रेफरेंडम की गूंज पूरी दुनिया में सुनाई दे। जबकि इसी 31 अगस्त को एक और कॉल इंटरसेप्ट किया गया। उसमें जी20 समिट के वेन्यू यानी भारत मंडपम और विदेशी डेलीगेट्स के रुकने वाले होटलों को भी निशाना बनाए जाने की बात कही जा रही थी।

खालिस्तानी आतंकी जी20 समिट के दौरान हमला करके पूरी दुनिया में भारत की छवि धूमिल करने के साथ साथ खालिस्तान रेफरेंडम की आवाज को ग्लोबल मंच देने की फिराक में थे। सुरक्षा एजेंसियों से जुड़े सूत्रों के अनुसार पन्नू इन सब में फिलीपींस में रहने वाले गैंगस्टर मनप्रीत सिंह पीटा की मदद ले रहा था। मनप्रीत सिंह पीटा कनाडा में रहने वाले गैंगस्टर अर्श दल्ला का बेहद करीबी दोस्त है। लेकिन इससे पहले ही 11 अगस्त को एनआईए मनप्रीत सिंह पीटा और उसके भाई मनजीत को फिलिपींस से डिपोर्ट कर भारत ले आई।

सहमति से यौन संबंध बनाने की उम्र 18 वर्ष

नई दिल्ली । लॉ कमीशन ने अपनी रिपोर्ट कानून मंत्रालय को सौंप दी है। इस रिपोर्ट में बच्चों को यौन हिंसा से संरक्षित करने के लिए तथा पोक्सो एक्ट 2012 के विभिन्न नियमों में बदलाव करने के लिए अनुशंसा की गई है। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि शारीरिक संबंध बनाने की उम्र 18 साल ही होनी चाहिए ।इससे कम उम्र में यदि यौन संबंध बनते हैं। तो वह अपराध की श्रेणी में रखा जाना चाहिए। यौन संबंध भले ही दोनों की सहमति से क्यों ना बने हो। लॉ कमीशन का मानना है कि कानून में ढ़ील देने के स्थान पर इसके बेजा इस्तेमाल को रोकने की जरूरत है। प्रत्येक मामले में गुण दोष के आधार पर एक्ट में अदालतों के विवेकाधिकार को बढ़ाने की अनुशंसा की गई है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है, कि सहमति से संबंध बनाने वाले युवक युवती के अतीत को देखे जाने की जरूरत है। उनके संबंध सहमति और स्वेच्छा से बने हैं ,या नहीं। लॉ कमीशन आयोग ने यह भी सिफारिश की है, कि अवयस्क के बीच में बनने वाले संबंधों के बीच में कम से कम 3 साल का अंतर होना आवश्यक है। यदि इससे अधिक उम्र का फैसला है, तो उसे अपराध की श्रेणी में माना जाना चाहिए। आयोग ने जो अनुशंसा की है ।उसमें यौन संबंधों को अपराध नहीं मानने के अपराधों के बारे में भी अनुशंसा की गई है ।अपवाद मानते समय यह देखा जाना चाहिए, कि सहमति देते समय भय और प्रलोभन तो नहीं था। संबंध बनाने के लिए नशीले पदार्थ का उपयोग तो नहीं किया गया। सहमति देह व्यापार से संबंधित तो नहीं थी। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश ने भी संसद से पास्को एक्ट में जो प्रावधान किए गए हैं। उनके बारे में समीक्षा करने के आदेश दिए थे। कई मामलों में यह शिकायत मिलती है,कि कई वर्षों तक यौन संबंध बनाने के बाद जब विवाद की स्थिति आती है। तब पॉस्को एक्ट में मामले दर्ज कराए जाते हैं। लॉ कमीशन की रिपोर्ट मिलने के बाद अब सरकार को निर्णय लेना है, कि वह इस मामले में क्या करती हैं।

हत्या व रेप मामले में 40 साल बाद दोषी ठहराने वाले को सुप्रीम कोर्ट ने दी जमानत

नई दिल्ली । हत्या व रेप के मामले में 40 साल बाद दोषी ठहराए गए 75 वर्षीय शख्स को सुप्रीम कोर्ट ने जमानत दे दी है। मिली जानकारी के अनुसार 1983 में हुई वारदात के मामले में शख्स को 40 साल बाद दोषी ठहराया गया था। न्यायमूर्ति अभय एस ओका और न्यायमूर्ति पंकज मिथल की पीठ ने मुकदमे के निपटारे में देरी को ध्यान में रखते हुए बुजुर्ग शख?स को जमानत दे दी। यह घटना वर्ष 1983 की है। पीठ ने अपने आदेश में कहा कि अपनी उम्र को देखते हुए शख्स जमानत बढ़ाए जाने का हकदार है, जब तक कि उच्च न्यायालय के समक्ष लंबित अपील का अंतिम निपटारा न हो जाए। पीठ ने कहा कि आम तौर पर, शीर्ष अदालत को किसी भी मामले का फैसला करने के लिए समय-सीमा तय करने के लिए उच्च न्यायालय को निर्देश जारी नहीं करना चाहिए, लेकिन मुकदमे में 40 साल की देरी को देखते हुए, उसने उच्च न्यायालय से अनुरोध किया कि वह इस मामले को बारी से पहले प्राथमिकता दे। अपील का निपटान कानून के अनुसार किया जाए। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया कि अपीलकर्ता को किसी भी अनावश्यक स्थगन की मांग नहीं करनी चाहिए और अपील के शीघ्र निपटान के लिए उच्च न्यायालय के साथ सहयोग करना चाहिए। कोर्ट ने कहा कि अपीलकर्ता की ओर से डिफ़ॉल्ट के कारण अपील की सुनवाई में देरी होती है, तो प्रतिवादी (पुलिस) के लिए जमानत रद्द करने के लिए उच्च न्यायालय में आवेदन करने का विकल्प खुला होगा। अपीलकर्ता को 40 साल बाद इस साल अप्रैल में दोषी ठहराया गया था।

बालाघाट पुलिस ने मुठभेड़ में नक्सली को मार गिराया

बालाघाट । मध्य प्रदेश के सबसे अधिक नक्सल प्रभावित बालाघाट जिले में एक बार फिर पुलिस और नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़ में पुलिस को बड़ी सफलता प्राप्त होने की जानकारी मिल रही है। सोनगुड्डा चौकी अंतर्गत ग्राम कोदापार में बीती रात नक्सली और एसओजी बिरसा की मुठभेड़ हुई जिसमें एक नक्सली कमलू को मार गिराया जो की छत्तीसगढ़ का रहने वाला था। कमलू के विषय में मिली जानकारी के अनुसार कमलू दक्षिण बस्तर बीजापुर का रहने वाला है, जिसकी उम्र महज 19 साल की है और उसके पास से एक इंसास राइफल भी जप्त की गई है जिससे वह पुलिस पर फायर कर रहा था जानकारी के अनुसार 28 सितंबर की रात को यह घटना हुई जब पुलिस पार्टी पर नक्सलियों ने अचानक गोलीबारी कर दी इस दौरान पुलिस ने बचाव के लिए गोलीबारी शुरू की घटना में एक नक्सली कमलू जो की बॉडीगार्ड बताया जा रहा है एक बड़े नक्सली का बॉडीगार्ड था। पुलिस ने मार गिराया जिसके पास से एक इंसास राइफल भी जप्त की गई है।

गुरुग्राम में नवंबर से पटाखों पर पाबंदी, दिवाली पर केवल हरित पटाखों की अनुमति

गुरुग्राम। गुरुग्राम जिला प्रशासन ने प्रदूषण के मद्देनजर पटाखों के भंडारण, बिक्री और इस्तेमाल पर रोक लगाने का आदेश जारी किया है। जिलाधिकारी सह उपायुक्त निशांत कुमार यादव की ओर से जारी आदेश में ई-वाणिज्य कंपनियों जैसे अमेजन और फ्लिपकार्ट को भी पटाखों के वास्ते ऑनलाइन आर्डर लेने से रोक दिया गया है। ये आदेश गुरुग्राम जिले में एक नवंबर, 2023 को प्रभाव में आ जायेंगे तथा 31 जनवरी, 2024 तक प्रभाव में रहेंगे। आदेश में कहा गया है, '' उच्चतम न्यायालय के आदेशानुसार बस हरित पटाखे, जो कम प्रदूषण करते हैं, ही गुरुग्राम जिले में लाइसेंसधारक व्यापारियों द्वारा बेचे जा सकते हैं। अन्य पटाखों के उत्पादन, बिक्री और इस्तेमाल पर पूरी तरह पाबंदी लगा दी गयी है क्योंकि ये बहुत अधिक वायु एवं ध्वनि प्रदूषण करते हैं एवं ठोस अपशिष्ट की समस्या भी खड़ी करते हैं।'' आदेश में कहा गया है, '' हरित पटाखे भी दिवाली के त्योहार पर रात आठ बजे से 10 बजे तक तथा क्रिसमस एवं नये साल पर रात 11 बजकर 55 मिनट से साढ़े बारह बजे तक चलाने की अनुमति होगी।

बीजेपी सांसद ने लगाए थे गंभीर आरोप, इस्कॉन ने मेनका गांधी को भेजा 100 करोड़ का मानहानि नोटिस

नई दिल्ली। इस्कॉन ने बीजेपी सांसद मेनका गांधी को उनके हालिया कसाइयों को गाय बेचने वाले विवादास्पद बयान के लिए 100 करोड़ का मानहानि नोटिस भेजा है। इस्कॉन के उपाध्यक्ष राधारमण दास ने कहा कि इस्कॉन पूर्व केंद्रीय मंत्री के खिलाफ कानूनी तौर पर मामले को अंत तक आगे बढ़ाएगा। मेनका गांधी की टिप्पणियां दुर्भाग्यपूर्ण थीं और दुनिया भर में इस्कॉन भक्तों की भावनाओं को ठेस पहुंचीं। एक सांसद बिना किसी सबूत के इस्कॉन के बारे में कैसे झूठ बोल सकती है? उन्होंने कहा कि वह अनंतपुर गौशाला गई थीं, लेकिन वहां के लोगों को याद नहीं है कि मेनका गांधी वहां गई थीं। इसलिए घर पर बैठकर वह ये बेबुनियाद आरोप लगा रही हैं। पशु अधिकार कार्यकर्ता मेनका गांधी का एक वीडियो हाल ही में वायरल हुआ था जिसमें बीजेपी सांसद ने इस्कॉन (इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर कृष्णा कॉन्शियसनेस) को देश का सबसे बड़ा धोखेबाज बताया था। वे गौशालाएं स्थापित करते हैं और इन गौशालाओं को चलाने के लिए सरकार से लाभ प्राप्त करते हैं। इसके लिए उन्हें बड़ी जमीन मिलती है। मैंने उनकी अनंतपुर गौशाला का दौरा किया। वहां एक भी सूखी गाय मौजूद नहीं थी। सभी डेयरियां थीं। वहां कोई बछड़ा भी नहीं था, जिसका मतलब है कि सभी गायें बेच दिए गए।

उज्जैन में दरिंदगी का शिकार हुई बच्ची की मदद के लिए आगे आए इंस्पेक्टर, कहा गोद लूंगा

उज्जैन। मध्य प्रदेश में महाकाल की नगरी उज्जैन में नाबालिग बच्ची के साथ हुई दरिंदगी का मामला लगातार सुर्खियों में बना हुआ है। बच्ची के साथ हुई विभत्स घटना से पूरा देश आहत है। इस घटना के प्रकाश में आने के बाद पुलिस की कार्रवाई पर कई सवाल उठाए गए हैं। इसी बीच उज्जैन पुलिस का एक ऐसा चेहरा सामने आया है जो इंसानियत की मिसाल बन रहा है। गौरतलब है कि अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती हुई बच्ची को दो पुलिसकर्मियों ने ब्लड डोनेट किया था। वही इस मामले को सुलझाने वाले इंस्पेक्टर अजय वर्मा ने इंसानियत की नई मिसाल पेश की है। इंस्पेक्टर अजय वर्मा ने बताया है कि वो पीड़ित बच्ची को गोद लेना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि बच्ची का जब इलाज चल रहा था तब उन्होंने उसकी चीखें सुनी थी। बच्चों की ऐसी अवस्था को देखकर उनकी आंखें भर आई थी।

पीओके पर केंद्रीय मंत्री वीके सिंह का बड़ा बयान, बोले- एक दिन खुद-ब-खुद भारत में हो जाएगा शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश 2024 चुनाव की दहलीज पर खड़ा है। चुनाव में कई मुद्दे रहने वाले हैं। इसमें एक मुद्दा पाक अधिकृत कश्मीर का भी रहने वाला है। इन सबके बीच केंद्रीय राज्य मंत्री वीके सिंह ने पीओके को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि जिस तरीके से वर्तमान में पाकिस्तान का माहौल है, उसको देखते हुए ऐसा ही लगता है कि एक दिन पाक अधिकृत कश्मीर खुद हमारे पास वापस आ जाएगा। दरअसल, वे लगातार पाकिस्तान में चल रही समस्याओं की ओर इशारा करना चाह रहे थे जिसमें महंगाई, बिजली की बढ़ी हुई दर आदि शामिल है। वीके सिंह ने यह भी दावा किया कि पाकिस्तान ने नरेंद्र मोदी से हाल में ही सहायता की गुहार भी लगाई थी।

क्ष्य पर केंद्रीय मंत्री वीके सिंह ने कहा कि जिस तरह से पाकिस्तान में चीजें चल रही हैं, जिस तरह से पाकिस्तान में विभिन्न ताकतें अपने ही लोगों के खिलाफ खड़ी हो गई हैं... बहुत बड़ा मंथन हो रहा है। उन्होंने कहा कि मुझे इस बात का अहसास है कि यह क्षेत्र, जो कि पाकिस्तान द्वारा बल प्रयोग और फिर संयुक्त राष्ट्र की भागीदारी के कारण अर्ध-स्थायी हो गया, अपने आप हमारे पास वापस आ जाएगा। इससे पहले वीके सिंह ने कहा था कि जम्मू-कश्मीर में विकास की गतिविधियां तेज होने से आतंकवादियों की तादाद में पहले से काफी कमी आई है, लेकिन छिटपुट आतंकी घटनाएं रोकने में अभी समय लगेगा क्योंकि पड़ोसी देश पाकिस्तान के दिमाग में भारत के अंदरूनी मामलों में छेड़-छाड़ की फितरत कायम है।

उन्होंने कहा, ''जम्मू-कश्मीर में बुनियादी ढांचे, उद्योगों और पर्यटन का तेज गति से विकास हो रहा है। अगर आम कश्मीरी नागरिक से पूछा जाएगा, तो वह आपको बताएगा कि वह इस विकास से बहुत खुश है।'' अनंतनाग में आतंकियों से मुठभेड़ में सुरक्षा बलों के तीन अधिकारियों के शहीद होने के अगले दिन थल सेना के पूर्व अध्यक्ष ने कहा, ''(जम्मू-कश्मीर में) छिटपुट आतंकी घटनाएं होती रहेंगी। इन्हें रोकने में समय लगेगा क्योंकि एक देश (पाकिस्तान) ऐसा है जो भले ही दिवालिया हो गया है लेकिन उसके दिमाग से भारत के अंदरूनी मामलों से छेड़छाड़ की फितरत नहीं गई है।

ठाकुर विवाद : मनोज झा का इरादा समुदाय विशेष का अपमान नहीं : लालू यादव

पटना। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के अध्यक्ष लालू प्रसाद ने 'ठाकुरों' का अपमान करने के आरोपों का सामना कर रहे अपनी पार्टी के राज्यसभा सदस्य मनोज झा का गुरुवार को समर्थन करते हुए कहा कि उनका इरादा किसी समुदाय का अपमान करने का नहीं था। दरअसल, पार्टी प्रवक्ता झा ने राज्यसभा में महिला आरक्षण विधेयक पर चर्चा करते हुए प्रसिद्ध दलित लेखक ओम प्रकाश वाल्मिकी द्वारा लिखित एक कविता ''ठाकुर का कुआं' का पाठ किया था।

इसके बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने झा पर 'ठाकुरों' का अपनाम करने का आरोप लगाया है। राजद विधायक चेतन आनंद ने भी झा की आलोचना की थी। लालू ने झा की सार्वजनिक तौर पर आलोचना करने के लिए अपनी पार्टी के विधायक चेतन आनंद को भी आड़े हाथों लिया। राजद सुप्रीमो ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा, 'मनोज झा एक विद्वान व्यक्ति हैं। उन्होंने जो कहा है वह बिल्कुल सही है। उनका इरादा राजपूतों/ठाकुरों या किसी अन्य समुदाय का अपमान करने का नहीं था।' पूर्व मुख्यमंत्री ने यह भी कहा, 'जो लोग मनोज झा के बयान पर शोर मचा रहे हैं, वे अपनी जाति के सदस्यों का समर्थन जुटाने की कोशिश में ऐसा कर रहे हैं। उन्हें ऐसा करने से बचना चाहिए।'

इंडिया गठबंधन में मतभेद पर बोले शरद पवार, सावधानी बरतना बेहद जरूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। एनसीपी प्रमुख शरद पवार ने शुक्रवार को कहा कि इंडिया ब्लॉक यह सुनिश्चित करने के लिए सावधानी बरतेगा कि राजस्थान और मध्य प्रदेश जैसे राज्यों में उसके गठबंधन सहयोगियों के बीच कोई विवाद न हो, जहां कुछ महीनों में चुनाव होने हैं। वह महाराष्ट्र के पुणे जिले के बारामती में पत्रकारों से बात कर रहे थे। पवार ने मराठा आरक्षण और प्याज पर निर्यात शुल्क जैसे मुद्दों पर भी बात की। अगले साल के आम चुनाव में भाजपा से मुकाबला करने के लिए दो दर्जन से अधिक विपक्षी दलों ने भारतीय राष्ट्रीय विकासात्मक समावेशी गठबंधन (INDIA) का गठन किया है। पश्चिम बंगाल में स्पष्ट टकराव के बारे में एक सवाल का जवाब देते हुए, क्योंकि कांग्रेस ने कुछ सीटों पर दावा किया है, अनुभवी राजनेता ने कहा कि तत्काल भविष्य में वहां कोई चुनाव नहीं है।

शरद पवार ने कहा कि जब चुनाव नजदीक आते हैं, तो (इंडिया ब्लॉक के साझेदारों के बीच) मतभेद की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता। हालाँकि, हम गठबंधन से तटस्थ नेताओं को भेजकर मुद्दों को सुलझा लेंगे। पवार ने जोर देकर कहा कि कुछ महीनों में चार से पांच राज्यों में चुनाव होने हैं और यह उनके लिए अधिक महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि इंडिया ब्लॉक यह देखेगा कि राजस्थान और मध्य प्रदेश जैसे राज्यों में सभी गठबंधन सहयोगी एक मेज पर कैसे आते हैं। मुंबई लौटने के बाद, मैं कांग्रेस और अन्य पार्टी नेताओं के साथ चर्चा करूंगा और हम यह सुनिश्चित करने के लिए सावधानी बरतेंगे कि गठबंधन सहयोगियों के बीच (इन राज्यों में) कोई विवाद न हो।

राकांपा प्रमुख ने कहा, यह प्रक्रिया अगले आठ से दस दिनों में शुरू होगी। कुछ ही महीनों में छत्तीसगढ़, मिजोरम, मध्य प्रदेश, राजस्थान और तेलंगाना में विधानसभा चुनाव होने हैं। मराठा आरक्षण के बारे में पूछे जाने पर, जो इस समय सुर्खियों में है, राकांपा अध्यक्ष ने कहा कि उन्होंने समाचार रिपोर्टों में पढ़ा है कि राज्य में एकनाथ शिंदे सरकार ने इस मुद्दे का समाधान करने का वादा किया है। पवार ने कहा, यह देखना होगा कि राज्य सरकार आने वाले दिनों में क्या निर्णय लेती है। प्याज पर 40 प्रतिशत निर्यात शुल्क के बारे में एक सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि यह किसानों के साथ अन्याय है।

राष्ट्रपति मुर्मू ने महिला आरक्षण विधेयक को दी मंजूरी, नारी शक्ति वंदन अधिनियम भारत में बना कानून

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा महिला आरक्षण विधेयक को मंजूरी देने के बाद नारी शक्ति वंदन अधिनियम भारत में कानून बन गया। राष्ट्रपति मुर्मू की सहमति मिलने के बाद भारत सरकार ने शुक्रवार को महिला आरक्षण विधेयक के लिए एक गजट अधिसूचना जारी की। अब इसके अधिनियम बन जाने से लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में 33त्न सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित हो जाएंगी। हालांकि आरक्षण नई जनगणना और परिसीमन के बाद लागू किया जाएगा।

संसद के एक विशेष सत्र में, महिला आरक्षण विधेयक को इस महीने लोकसभा और राज्यसभा द्वारा पारित किया गया, जिससे यह भारतीय संसद द्वारा एक ऐतिहासिक उपलब्धि बन गई क्योंकि इसने 19 सितंबर को अपना संचालन नए संसद भवन में स्थानांतरित कर दिया। केवल एआईएमआईएम ने महिला आरक्षण विधेयक का विरोध करते हुए कहा कि इससे केवल सवर्ण महिलाओं का उत्थान होगा क्योंकि मुस्लिम महिला प्रतिनिधियों के लिए कोई आरक्षण नहीं है। कांग्रेस ने भी ओबीसी आरक्षण की मांग की और संसद में इसके पारित होने और राष्ट्रपति की मंजूरी मिलने के बाद भी इसे लागू होने में लगने वाले लंबे समय पर सवाल उठाया।

आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन में यूपी की ऊंची छलांग, कई श्रेणियों में देश में नंबर वन

लखनऊ। आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन (एबीडीएम) को बेहतर ढंग से धरातल पर उतारने में जुटे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रयासों का असर दिखने लगा है। प्रदेश ना सिर्फ आयुष्मान भारत हेल्थ अकाउंट निर्मित करने में देश में नंबर एक स्थान पर है, बल्कि हेल्थ केयर प्रोफेशनल्स के रजिस्ट्रेशन, डिजिटल हेल्थ इन्सेंटिव स्कीम और स्कैन एंड शेयर टोकन जनरेट करने में भी उत्तर प्रदेश पूरे देश में नंबर वन पोजिशन पर पहुंच गया है। बता दें कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ स्वयं समय समय पर प्रदेश एबीडीएम को लेकर किये जा रहे कार्यों की ना सिर्फ समीक्षा करते हैं बल्कि अधिकारियों को दिशा-निर्देश भी जारी करते हैं।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार उत्तर प्रदेश 4,77,19,482 आयुष्मान भारत हेल्थ अकाउंट (एबीएचए) जनरेट करके पूरे देश में प्रथम स्थान पर है। जबकि आंध्र प्रदेश दूसरे, मध्य प्रदेश तीसरे, महाराष्ट्र चौथे और गुजरात पांचवें, पश्चिम बंगाल छठे, कर्नाटक सातवें और ओडिशा आठवें स्थान पर है। वहीं इन 4.77 करोड़ अकाउंट्स के अंतर्गत 2.73 करोड़ से ज्यादा लोगों के हेल्थ रिकॉर्ड को भी अपडेट किया जा चुका है। इस मामले में भी यूपी देश के टॉप थ्री राज्यों में है। मध्य प्रदेश, बिहार, छत्तीसगढ़ और गुजरात इस मामले में उत्तर प्रदेश से काफी पीछे हैं।

केंद्र का 'सौतेला' व्यवहार राज्य को पहुंचा रहा नुकसान, केरल के वित्त मंत्री का बड़ा आरोप

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। राज्य के वित्त मंत्री केएन बालगोपाल के अनुसार, विकास चरण से गुजरते हुए केरल बुनियादी ढांचे, औद्योगिक और सेवा क्षेत्रों में बहुत अच्छे विकास के लिए तैयार है, जो रोजगार के अधिक अवसर पैदा करेगा। राज्य के वित्तीय स्वास्थ्य पर चिंताओं के बीच उन्होंने कहा कि राजस्व सृजन पिछले वित्त वर्ष में 71,000 करोड़ रुपये तक बड़ी छलांग लगा है, लेकिन केंद्र सरकार के सौतेले व्यवहार के कारण तरलता की कमी हो गई है। एक साक्षात्कार में बालगोपाल ने हालिया फिच रेटिंग्स सहित विभिन्न एजेंसियों की रिपोर्टों का हवाला देते हुए पुष्टि राज्य अब बहुत अच्छे आर्थिक विकास के दौर से गुजर रहा है।

हाल के महीनों में वाम शासित केरल राजकोषीय मोर्चे पर भाजपा के नेतृत्व वाले केंद्र के कदमों के खिलाफ आवाज उठा रहा है, जिसमें जीएसटी फंड जारी करने में कथित देरी और धन जुटाने के मामले में राज्य पर अंकुश शामिल है। बेहतर राजस्व सृजन के लिए वित्त विभाग द्वारा उठाए गए कदमों का उल्लेख करते हुए, मंत्री ने कहा कि कुशल कर प्रशासन के माध्यम से, 2021 में सत्ता में आई दूसरी पिनाराई विजयन सरकार ने राज्य के स्वामित्व वाले कर राजस्व (एसओटीआर) में एक बड़ी छलांग लगाई है और दावा किया कि यह केरल की आर्थिक वृद्धि का संकेत है।

राज्य सीपीआई (एम) के एक वरिष्ठ नेता बालगोपाल ने केंद्र की भाजपा नीत सरकार की आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि वह केरल को विभिन्न संसाधनों से उसके वैध शेयरों से वंचित कर रही है, जिससे गंभीर तरलता संकट पैदा हो रहा है।

लालू की पार्टी आरजेडी ने कहा प्रधानमंत्री बनें नीतीश केजरीवाल ने दे दिया झटका

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडिया गठबंधन का चेहरा कौन होगा? इस बात पर जहां गठबंधन के नेता खुद चुप्पी साध लेते हैं तो वहीं बिहार में राजद और जदयू उन्हें प्रधानमंत्री मैटेरियल बताने में कोई कसर नहीं छोड़ रही है. इस बीच अरविंद केजरीवाल ने साफ कर दिया है कि फिलहाल व्यक्ति विशेष की बात नहीं करनी चाहिए.

लोकसभा चुनाव के लिए विपक्षी दलों ने गठबंधन तो बना लिया है लेकिन चेहरा फाइनल नहीं किया है. इंडिया गठबंधन का नेता कौन होगा? इस सवाल पर खुद गठबंधन के नेता भी चुप्पी साध लेते हैं. एक तरफ जेदयू के बाद राजद के कुछ नेता भी नीतीश कुमार को प्रधानमंत्री बनाने का ख्वाब देख रहे हैं, तो दूसरी तरफ गठबंधन के ही नेता इसका विरोध कर रहे हैं. दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने साफ शब्दों में तो नहीं कहा लेकिन वह किसी 'व्यक्ति विशेष' की बात करने के खिलाफ हैं.

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की आम आदमी पार्टी भी इंडिया गठबंधन का हिस्सा है. वह नीतीश कुमार को प्रधानमंत्री बनाने के बिल्कुल खिलाफ हैं. कहते हैं कि, 'हमें देश में ऐसी व्यवस्था बनानी चाहिए जिसमें सभी 140 करोड़ लोग प्रधानमंत्री हों. हमें किसी व्यक्ति विशेष की बात नहीं करनी चाहिए.' सीट शेयरिंग फॉर्मूले के बारे में पूछे जाने पर सीएम केजरीवाल ने कहा कि समय दीजिए, यह भी हो जाएगा.

जेडीयू के नेता चाहते हैं नीतीश ही बनें पीएम

बिहार में जनता दल यूनाइटेड के नेता नीतीश कुमार को पीएम मैटेरियल घोषित करते रहे हैं. जदयू के कई नेता यह कहते रहे हैं कि नीतीश कुमार में प्रधानमंत्री बनने के सारे गुण हैं. राष्ट्रीय जनता दल की तरफ से आमतौर पर गाहे-बगाहे इसका विरोध होता रहा है. हालांकि, अब खुद राजद के नेता भी नीतीश को प्रधानमंत्री बनाने की मांग कर रहे हैं.

राजद नेताओं की नजर बिहार की कुर्सी पर

राजद को लगता है कि नीतीश कुमार अगर केंद्र की राजनीति करेंगे तो शायद बिहार की कुर्सी उनके नेता को मिल जाएगी. राजद विधायक भाई वीरेंद्र ने इस बार मोर्चा संभाला है. भाई वीरेंद्र कह रहे हैं नीतीश कुमार में प्रधानमंत्री बनने के सारे गुण हैं और इस बार प्रधानमंत्री बिहार का ही होना चाहिए. इतना ही नहीं पटना के फुलवारीशरीफ में राजद नेताओं ने मजार पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के चादरपोशी के दौरान अल्पसंख्यक समाज के लोगों ने मजार पर प्रधानमंत्री बनने की दुआ मांगी.

चीनी वैज्ञानिक का बेतुका दावा, चंद्रयान-3 चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर नहीं उतरा

-दुनिया के कई वैज्ञानिक इस दावे को कर रहे खारिज

नई दिल्ली (एजेंसी)। चीन के शीर्ष वैज्ञानिक ने भारत के चंद्रयान-3 को लेकर विवादित बयान दिया है। चीनी वैज्ञानिक का दावा है कि चंद्रयान-3 चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर नहीं उतरा। यह चौंकाने वाला दावा उस समय में आया है, जब भारतीय वैज्ञानिक विक्रम लैंडर और प्रज्ञान रोवर को दो सप्ताह की ठंडी चंद्र रात के बाद हाइबरनेशन से पुनर्जीवित करने की कोशिश कर रहे हैं। वहीं दुनिया के दूसरे वैज्ञानिकों ने भारत के चंद्रयान-3 के दक्षिणी ध्रुव पर ही उतरने को सही बताकर चीन के दावे को खारिज कर दिया है।

चीनी कॉस्मोकेमिस्ट ओयांग जियुआन द्वारा की गई थी। जो चीन के पहले मून मिशन के प्रमुख वैज्ञानिक थे। उन्होंने दावा किया कि अंतरिक्ष यान चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर या उसके पास नहीं उतरा। ओयांग ने बताया, 'चंद्रयान-3 का लैंडिंग स्थल चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर नहीं था, चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के ध्रुवीय क्षेत्र में नहीं था और न ही यह 'अंटार्कटिक ध्रुवीय क्षेत्र के पास' था। उनका तर्क चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव क्षेत्र के बारे में अलग-अलग धारणाओं से उपजा है।

दक्षिणी ध्रुव को 66.5 और 90 डिग्री दक्षिण के बीच कहीं भी परिभाषित किया गया है, क्योंकि इसकी घूर्णी धुरी सूर्य के सापेक्ष लगभग 23.5 डिग्री पर झुकी हुई है। ओयांग का तर्क है कि चूंकि चंद्रमा का झुकाव केवल 1.5 डिग्री था, इसकारण ध्रुवीय क्षेत्र बहुत छोटा था। नासा चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव को 80 से 90 डिग्री मानता है, जबकि ओयांग ने कहा कि वह इस केवल 88.5 से 90 डिग्री पर और भी छोटा मानता है, जो चंद्रमा के 1.5 डिग्री झुकाव को दर्शाता है। चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर चंद्रयान-3 की भारत की सफल लैंडिंग पर किसी ने भी कभी सवाल नहीं उठाया है या विवाद नहीं किया है। दरअसल, नासा और यूरोपियन स्पेस एजेंसी ने चांद के सुदूर हिस्से के पास सॉफ्ट लैंडिंग के लिए इसरो के वैज्ञानिकों की सराहना की है। यहां तक कि भारत भी पहले दिन से ही स्पष्ट है कि चंद्रयान-3 अंतरिक्ष यान लगभग 70 डिग्री अक्षांश के आसपास उतरेगा, जो दक्षिणी ध्रुव के पास है। हांगकांग विश्वविद्यालय के अंतरिक्ष अनुसंधान प्रयोगशाला के एक वैज्ञानिक ने ओयांग के दावों को खारिज कर दिया है।

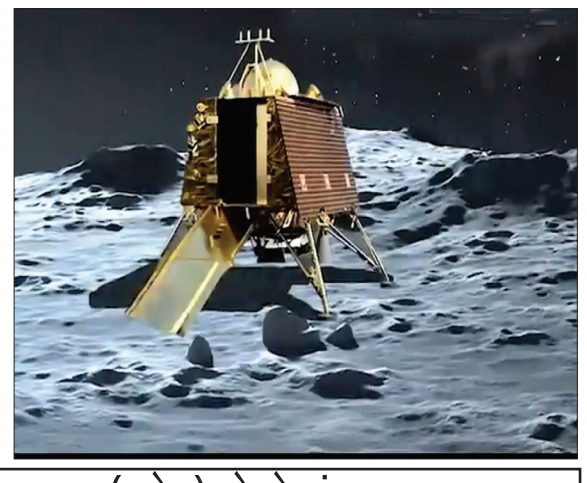

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

दवा लेने जा रहे दो नाबालिगों को कारचालक ने कुचला, कार में मिली कॉफी ड्रिंक से भरी बोतल

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

रामी पार्क का एक 15 वर्षीय लड़का, जो अपने दोस्त के साथ दवा लेने जा रहा था, को उमियानगर के पास सामने से आ रही कार के चालक ने टक्कर मार दी।

डिंडोली में पास में दवा लेने गए मोपेड पर सवार दो नाबालिगों को एक लापरवाह कार ने टक्कर मार दी. परिणामस्वरूप, दोनों नाबालिग गंभीर रूप से घायल हो गए और उन्हें नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहीं कार में कॉफी ड्रिंक की एक बोतल भी मिली. डिंडोली पुलिस ने ड्राइवर के नशे की हालत में होने की आशंका के आधार पर जांच शुरूकर दी है.

दो नाबालिग मोपेड से डिंडोली स्थित सीसी मेडिकल में दवा लेने गए थे। इसी दौरान वहां से गुजर रही हुंडई कंपनी की काले रंग की क्रेटा कार पूरी स्पीड में आई। कार चालक की टक्कर से दोनों नाबालिग गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना के बाद कार का इंजन लाइट पोल से टकरा गया और उसे बड़ा नुकसान पहुंचा। हादसे को लेकर लोगों की भीड़ जमा हो गई। डिंडोली पुलिस ममला भी पहुंचा. पुलिस के मुताबिक कार चला रहे युवक का नाम जयसुख हादिया और कार नंबर है. GJ-5-RM-1157 है. जब लोग हादसे का वीडियो बना रहे थे, तभी ड्राइवर कार छोड़कर भाग निकला.

पुलिस सूत्रों के अनुसार, महाराष्ट्र के रायगढ़ के मूल निवासी और सूरत के डिंडोली रामीपार्क गली नंबर 12 के मकान नंबर 1008 में रहने वाले 40 वर्षीय सुनील तुकाराम उत्तेकर सचिन होजीवाला में एक दवा कंपनी में काम करते हैं। (नंबर जीजे) -05-एमआर-5811) उनके साथ दवा लेने के लिए निकले थे। जब दोनों उमियानगर श्री श्री मेडिकल के पास से गुजर रहे थे, तो पुरजाडपे से आ रही कार(नंबर जीजे-05-आरएम-1157) का ड्राइवर जयसुख राघवभाई हादिया (रेस) .प्लॉट नंबर 22, मुक्तिधाम, वराछा, सूरत) दुर्घटना के कारण ध्रुव और उसका दोस्त अमनसिंह दोनों सड़क पर गिर गए और ध्रुव का पैर फ्रैक्चर हो गया।

पुलिस को कार से कॉफी ड्रिंक से भरी एक छोटी बोतल भी मिली।

पुलिस ने यह स्पष्ट नहीं किया कि यह बोतल शराब है या कोई अन्य नशीली दवा. पुलिस ने कॉफी ड्रिंक से भरी बोतल की भी जांच की है. साथ ही घायल नाबालिग के पिता ने कार चालक के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है और पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है.

सूरत नगर पालिका द्वारा बनाए गए 20 कृत्रिम तालाबों में 29240 मूर्तियों का विसर्जन

पुणे में सस्ते अनाज की दुकान पर छापा,दुकान सील

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

पुणे के साकेतधाम सोसायटी में सरकारी सस्ते गल्ले की दुकान नंबर 123 का लाइसेंस पुनागम लक्ष्मणनगर में रहने वाली हेमलता चौहान का है। पिछले कुछ समय से शिकायत मिल रही थी कि इस दुकान में सरकारी अनाज की मात्रा का दुरुपयोग किया जा रहा है. इसे ध्यान में रखते हुए शुक्रवार को आम आदमी पार्टी के पार्षद धर्मेश भंडेरी, विपुल सुहागिया समेत लोग शाम को दुकान पर एकत्र हुए। हालांकि दुकानदार दुकान बंद कर चला गया।

आपूर्ति विभाग को सूचना देने के बाद आपूर्ति जोनल अधिकारी टीम के साथ पहुंचे और दुकान खुलवाई तो दुकान में 74 बारदान कट्टा गेहूं और 70 सफेद कट्टा कुल 144 कट्टा, 37 कट्टा चावल और 48 लीटर तेल मिला। हालांकि आपूर्ति विभाग ने अनाज समेत दुकान को सील कर जांच शुरू कर दी है.

शहर के बैंकों को रु 2000 के 3500 करोड़ नोट जमा कराए गए

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

2 हजार के नोट जमा करने की आखिरी तारीख 30 सितंबर थी. इस नोट को जमा करने का शनिवार आखिरी दिन है. शहर में 3500 करोड़ रुपए से ज्यादा के 2000 के नोट जमा हो चुके हैं। अब शनिवार को आखिरी दिन होने के कारण संभावना है कि बैंकों में ज्यादा नोट जमा हो गए हैं. वहीं कुछ बैंकों ने मंदिरों को निर्देश दिया है कि अगर आपकी दान पेटी में 2 हजार का नोट है तो उसे खोलकर बैंक में जमा करा दें.

3.30 बजे तक ही लिए जाएंगे नोट

एससीओबी के उपाध्यक्ष कांजी भलाला ने कहा, 'बैंकों में नोट बदलने की प्रक्रिया आसानी से पूरी हो गई है. 30 नवंबर नोट जमा करने का आखिरी दिन है बैंकों को शाम 4 बजे तक नोट करेंसी चेस्ट में जमा करने होंगे. इसलिए सहकारी बैंक दोपहर 3.30 बजे तक ही नोट लेंगे।'

30 तारीख के बाद बैंक 2 हजार के नोट स्वीकार नहीं करेंगे.

कहां कितने जमा

265 करोड़
सूरत पीपुल्स बैंक
300 करोड़
वराछा बैंक
430 करोड़
जिला बैंक

अपने क्षेत्र में समस्याएं हमें लिखे या बताएँ
और समस्याएं का हल संबंधित विभाग से मिलेगा
मोबाईल:-987914180 या फोटा,वीडियो हमें भेजे